राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष 09 । अंक 45 । पृष्ठ 1
मूल्य : दो रूपये
सिद्धार्थनगर
गुरुवार, 03 फरवरी 2022
सिद्धार्थनगर संस्करण
RNI No:. UPHIN/2012/49458

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश | 8795951917 | @budha_kasandes | budhkasandeshup@gmail.com | www.budhkasandesh.com

लखनऊ सूचीबद्ध कोड- SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी. कोड-133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उ0प्र0 सरकार एवं भारत सरकार (डी.ए.वी.पी.) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

प्रधानमंत्री मोदी ने बजट पर की भाजपा कार्यकर्ताओं से चर्चा, गिनाई खूबियां

एजेंसी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बजट पर भाजपा कार्यकर्ताओं से बात की। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने अच्छा बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि बजट में बहुत बारिकियां होती है। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कहा कि इस बजट की हर कोई तारीफ कर रहा है यह देश को आधुनिक बनाने वाला बजट है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समय 100 साल में आई सबसे बड़ी वैश्विक महामारी से देश लड़ रहा है। कोरोना का ये कालखंड दुनिया के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आया है। दुनिया उस चौराहे पर आकर खड़ी हो गई है, जहां टर्निंग प्वाइंट निश्चित है। आगे जो दुनिया जो हम देखने वाले हैं, वो वैसी नहीं होगी, जैसी कोरोना से पहले थी। कल निर्मला जी ने बहुत ही खूबसूरती से, बहुत ही अच्छे ढंग से बजट के कुछ पहलुओं को हमारे सामने रखा है। बजट स्पीच में पूरा बजट संभव नहीं होता है क्योंकि बजट में बहुत बड़ा दस्तावेज होता है, बारीकियां होती हैं और सदन में ये सब बोलना संभव भी नहीं होता है। उन्होंने कहा कि पिछले 7–8 साल में अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए कई प्रयास किए गए। जो जीडीपी 7–8 साल पहले 1. 10 लाख करोड़ थी अब करीब 2.3 लाख करोड़ रुपए हो गई। बजट में गरीब, मध्यम वर्ग और युवाओं की मूलभूत आवश्यकताओं का ध्यान रखा गया। वर्ष 2013–14 में भारत का एक्सपोर्ट 2 लाख 85 हजार करोड़ रुपए होता था। आज भारत का एक्सपोर्ट 4 लाख 70 हजार करोड़ रुपए का आसपास पहुंचा है। भारत जैसे देश में कोई क्षेत्र पिछड़ा रहे, कोई इलाका पीछे रह जाए, ये ठीक नहीं है इसलिए हमने आकांक्षी जिला अभियान शुरु किया था। इन जिलों में गरीब की शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए, बिजली पानी के लिए, जो काम हुए, उसकी प्रशंसा संयुक्त राष्ट्र ने भी की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए हमारी सेनाएं, हमारे जवान दिन–रात जुटे रहते हैं, जान की बाजी भी लगा देते हैं। लेकिन सीमा पर जो जवान तैनात हैं, उनके लिए सीमावर्ती गांव भी किले का काम करते हैं। इसलिए उन सीमावर्ती गांवों की देशभक्ति का जज्बा भी अद्भुत होता है। आज समय की मांग है कि भारत की कृषि भी आधुनिक बने, नए तौर–तरीके अपनाएं। किसानों पर बोझ कम हो। देश की कृषि को टेक्नॉलॉजी आधारित और कैमिकल फ्री बनाने के लिए बड़े कदम इस बजट में उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार के प्रयासों से आज देश में करीब–करीब 9 करोड़ ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचने लगा है। उन्होंने बताया कि इसमें से करीब–करीब 5 करोड़ से ज्यादा पानी के कनेक्शन, जल जीवन मिशन के तहत पिछले 2 वर्ष में दिए गए हैं।

बजट में घोषणा की गई है कि इस साल करीब 4 करोड़ ग्रामीण घरों को पानी का कनेक्शन दिया जाएगा। पानी पर अपनी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यूपी और मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड की तस्वीर बदलने वाली है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से केन–बेतवा को लिंक करने के लिए जो हज़ारों करोड़ रुपए का प्रावधान किया है, उससे यूपी और एमपी के बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर भी बदलने वाली है।अब बुंदेलखंड के खेतों में और हरियाली आएगी, घरों में पीने का पानी आएगा, खेतों में पानी आएगा।

ट्रक और टेंपो में भीषण टक्कर , मासूम सहित चार लोगों की मौत

एजेंसी

महोबा। बुंधवार को एक बार फिर सड़क खून से लाल हो गई और सड़क हादसे में मासूम सहित चार लोग काल के गाल में समां गए। ट्रक और टेंपो में भीषण टक्कर होने के कारण लोगों की जान गई और कई लोग इस सड़क हादसे में घायल हुए। कबरई व महोबा पुलिस के साथ ही सीओ सिटी भी मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया तो वहीं मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हमीरपुर जनपद के अंतर्गत आने वाले मौदहा से सवारियां को बैठाकर आटो महोबा आ रहा था और अभी यह कबरई थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बरबई गांव के पास पहुंचा था कि ट्रक की टक्कर से टेंपो हाईवे किनारे पलट गया और यह भीषण हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना में मप्र के मुरैना निवासी 45 वर्षीय जीतेंद्र सिंह उनका पुत्र 6 वर्षीय आर्यन और पुत्री 8 वर्षीय मोना, मदारपुर मौदाहा जनपद हमीरपुर निवासी 30 वर्षीय राजू उनकी पत्नी 22 वर्षीय संगीता, पुत्र 5 वर्षीय राज, पुत्री 2 वर्षीय राधिका, पाटनपुर मौदहा निवासी 42 वर्षीय हरिशंकर, मौदहा निवासी 35 वर्षीय शमा पत्नी सलाउद्दीन उसकी पुत्री 3 वर्षीय आलिया, सिजहरी निवासी 28 वर्षीय मुन्ना, हरद्वार लवकुशनगर जिला छतरपुर निवासी 24 वर्षीय शनी, 55 वर्षीय रामसेवक घायल हो गए।

आम आदमी के प्रत्याशी जीत के बाद कभी दूसरी पार्टी में जाएंगे : अरविंद केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव को लेकर गोवा दौरे पर आम आदमी पार्टी के नेता मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि गोवा की जनता कांग्रेस और बीजेपी से तंग आ चुकी है । अरविंद

केजरीवाल ने कहा कि गोवा के लोग बदलाव चाहते हैं और उन्हें लग रहा है कि इस बार असली बदलाव आएगा । दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा की आम आदमी पार्टी ने गोवा वासियों को भ्रष्टाचार मुक्त और कट्टर ईमानदार सरकार देने के इरादे से अपने सभी प्रत्याशियों से एक एफिडेविट साइन कराया है। श्आफ्च संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में आज पार्टी के सीएम चेहरा अमित पालेकर ने सभी प्रत्याशियों को इस बात की सपथ दिलाई। श्आफ्च संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी प्रत्याशी कट्टर ईमानदार होंगे। चुनाव जीतने के बाद ना कभी बिकेंगे और ना कभी दूसरी पार्टी में जाएंगे। गोवा में पिछले एक–दो चुनावों से देखा जा रहा है कि जीतने के बाद एमएलए भाजपा में चले जाते हैं। वे एक तरह से अपने मतदाताओं के वोट को बेच देते हैं, जो उनके साथ धोखा है। श्आफ्च संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एफिडेविट साइन करने की इसलिए जरूरत पड़ी, क्योंकि गोवा की जनता भरोसा नहीं करती है कि ईमानदारी से सरकार चल सकती है ।

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का राजनीतिक दलों ने नही किया पालन

- उत्तर प्रदेश के पहले चरण के प्रत्याशियों में अपराधियों की भरमार,..

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के पहले चरण में चुनाव लड़ने वाले 623 में से 615 उम्मीदवारों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया है जो 58 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं

उम्मीदवारों द्वारा घोषित आपराधिक मामले 615 में से 156 (25:) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं इन मैं से 20: उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए है अपराधिक मामले घोषित करने वाले उम्मीदवारों का दलवार विवरण समाजवादी पार्टी के 28 में से 21 (75:) आरएलडी के 29 में से 17 (59:) बीजेपी के 57 में से 29 (51:) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 58 में से 21 (36:) बीएसपी के 56 में से 19 (34:) आप(।च्च) के 52 में से 8 (15:) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर अपराधिक मामले घोषित किए हैं उम्मीदवारों द्वारा घोषित गंभीर आपराधिक मामलों में समाजवादी पार्टी के 61: आरएलडी के 52: बीजेपी के 39: कांग्रेस के 19: और बीएसपी के 29: आप(।च्च) 10: उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं

महिलाओं के ऊपर अत्याचार से संबंधित मामले घोषित करने वाले उम्मीदवार 12 हैं जिन्होंने महिलाओं के ऊपर अत्याचार से संबंधित मामले घोषित किए हैं इनमें से एक उम्मीदवार ने अपने ऊपर बलात्कार से संबंधित मामला घोषित किया है हत्या से संबंधित मामले घोषित करने वाले उम्मीदवारों की संख्या 6 है जिन्होंने अपने ऊपर पचब 302 से संबंधित मामले घोषित किए हैं हत्या के प्रयास से संबंधित मामले घोषित करने वाले उम्मीदवार 30 हैं जिन्होंने अपने ऊपर पचब 307 से संबंधित मामले घोषित किए हैं

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के पहले चरण में 58 में से 31 (53:) संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्र हैं जहां 3 या उससे अधिक उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्र से तात्पर्य ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों से है जहां 3 या उससे अधिक उम्मीदवार जिन्होंने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण में उम्मीदवारों के चयन में राजनीतिक दलों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि उन्होंने फिर से आपराधिक मामले वाले 25: उम्मीदवारों को टिकट देने की अपनी पुरानी प्रथा का पालन किया है उत्तर प्रदेश के पहले चरण के चुनाव लड़ने वाले सभी प्रमुख दलों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित करने वाले 15:– 75: उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं सर्वोच्च न्यायालय ने 13 फरवरी 2020 के अपने निर्देश मैं विशेष रूप से राजनीतिक दलों को आपराधिक छवि वाले उम्मीदवारों को चुनने वा साफ छवि वाले उम्मीदवारों को टिकट नहीं देने का कारण बताने का निर्देश दिया था

हाल ही में 2020–21 में हुए 6 राज्यों के विधानसभा के चुनाव के दौरान यह देखा गया है कि राजनीतिक दलों द्वारा दिए गए ऐसे निराधार और आधारहीन कारण जैसे व्यक्ति की लोकप्रियता अच्छे सामाजिक कार्य राजनीति से प्रेरित मामले आदि यह दागी पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने के लिए ठोस कारण नहीं है यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि राजनीतिक दलों को चुनाव प्रणाली में सुधार करने में कोई दिलचस्पी नहीं है और हमारे लोकतंत्र में कानून तोड़ने वाले उम्मीदवार जीतने के बाद कानून बनाने वाले विधायक बन जाते हैं

615 उम्मीदवारों में से 280 (48:) करोड़पति उम्मीदवार हैं हमारे चुनाव में धनबल की भूमिका इस बात से स्पष्ट होती है कि सभी राजनीतिक दल धनी उम्मीदवारों को टिकट देते हैं आरएलडी के 29 में से 28 (97:)बीजेपी के 57 में से 55 (97:) बीएसपी के 56 में से 50 (89:) एसपी के 28 में से 23 (82:) कांग्रेस के 58 में से 32 (55:) और आप(।च्च) के 52 में से 22 (42:) उम्मीदवार करोड़पति हैं औसतन संपत्ति उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के पहले चरण के उम्मीदवारों की 3.72 करोड़ है मुख्य दलों में समाजवादी पार्टी के 28 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 13.23 करोड़ है बीजेपी के 57 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 12.01 करोड़ है आरएलडी के 29 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 8.32 करोड़ है बीएसपी के 56 उम्मीदवारों की संपत्ति 7.71 करोड़ है कांग्रेस के उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 3.08 करोड़ है आप(।च्च) के 52 उम्मीदवारों की संपत्ति 1.12 करोड़ है

प्रथम चरण के प्रत्याशियों में अमित अग्रवाल मेरठ कैंट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं जिनकी संपत्ति 148 करोड़ है इसी तरह से एसके शर्मा मथुरा से बीएसपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं जिनकी संपत्ति 112 करोड़ है राहुल यादव बुलंदशहर के सिकंदराबाद विधानसभा से समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं जिनकी संपत्ति 100 करोड रुपए हैं

शैक्षणिक योगिता की बात करें तो 39: उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता 5वी से 12वी के बीच घोषित की है जबकि 49: उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता स्नातक और इससे ज्यादा घोषित की है 38 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता साक्षर और 15: उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता आसाक्षर घोषित की है 12 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता घोषित ही नहीं की है

उम्मीदवारों की आयु का विश्लेषण करें तो 35: उम्मीदवारों ने अपनी आयु 25 से 40 वर्ष के बीच घोषित की है जबकि 53: उम्मीदवारों ने अपनी आयु 41 से 60 वर्ष के बीच घोषित कि है 12: उम्मीदवारों ने अपनी आयु 61 से 80 वर्ष के बीच घोषित की है उत्तर प्रदेश विधानसभा के पहले चरण के उम्मीदवारों में 12: महिला उम्मीदवार है 74 महिला इस बार चुनाव मैदान में है उत्तर प्रदेश एडीआर के प्रमुख समन्वयक डॉक्टर संजय सिंह ने कहा कि एडीआर सिफारिश करता है कि राजनीतिक दल और समाज के सभी लोग लोकतंत्र में धनबल और बाहुबल के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए कारगर हस्तक्षेप करें

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए पदाधिकारियों को दी गई नई जिम्मेदारी

संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी विधानसभा चुनाव में जुटने के साथ ही संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए पदाधिकारियों को नई–नई जिम्मेदारी भी सौंप रही है। इस क्रम में बुधवार को पार्टी ने औरैया के पिन्टू शर्मा और लखनऊ के मुनीष चौधरी को प्रदेश सचिव के पद पर मनोनीत किया। दोनों पदाधिकारियों को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने नियुक्ति पत्र सौंपा और बधाई दी। प्रदेश अध्यक्ष ने दोनों ही नवनियुक्त पदाधिकारियों से आशा व्यक्त की कि वो राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की नीतियां एवं कार्यक्रमों को जन–जन पहुंचाएंगे।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने नवनियुक्त पदाधिकारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार की स्थिति की जानकारी ली। कार्यकर्ताओं से प्रत्येक घर में सम्पर्क करने और आम आदमी पार्टी की गारंटी और घोषणा पत्र को जन–जन तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बताया कि पूर्व की सरकारों और वर्तमान की सरकार से जनता परेशान हैं। आज तक यूपी में राज करने वाली सरकारों ने केवल जनता को लूटने और छलने का काम किया है। घोटाले ही घोटाले किये हैं। आम आदमी पार्टी के मैदान में उतरने से जनता में एक आस जगी है। नई उम्मीद जागी है। इसलिए जनता से मिलकर उनको बताएं कि उनके पास आम आदमी पार्टी ही सबसे बेहतर विकल्प है। बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को वोट कर जिताएं और आम आदमी पार्टी की सरकार को भी एक बार यूपी में सरकार बनाने का मौका दें। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को भी चुनाव में पूरी तरह से जुट जाने और पार्टी कार्यकर्ताओं की मदद करने को कहा है।

``यूपी टाइप जवाब'' के जवाब में कांग्रेस वित्त मंत्री को भेजेगी यूपी की शिल्पकलाओं के 100 नमूने– कांग्रेस

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस ने केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन के

उस बयान की तीखी आलोचना की है, जिसमें उन्होंने बजट की आलोचना को ''यूपी टाइप जवाब'' बताया है। कांग्रेस पार्टी ने इसे उत्तर प्रदेश का अपमानजनक टिप्पणी बताते हुए इसके जवाब में पूरे उत्तर प्रदेश में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन का पुतला फूंका। कई जिलों में पुतला फूंकने को लेकर पुलिस से कांग्रेस कार्यकर्ताओं की झड़प भी हुई। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि वित्तमंत्री का बयान उत्तर प्रदेश के प्रति उनकी मानसिकता को दिखाता है। यही वजह है कि बजट में उत्तर प्रदेश को लेकर कोई विशेष घोषणा नहीं की, कोरोना की विभीषिका ने सबसे ज्यादा असर उत्तर प्रदेश की आम जनता पर डाला, लेकिन उसके लिए बजट में कोई राहत योजना का न होना निराशाजनक है। कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश के कोने–कोने से उत्तर प्रदेश में बनने वाली 100 शिल्पकलाओं के नमूनों को वित्तमंत्री को भेजेगी, ताकि उन्हें पता चल सके की उत्तर प्रदेश की खासियत उसका शिल्प, गुणवत्ता और कलाकारी है।

यूपी कांग्रेस के मीडिया व कम्युनिकेशन विभाग के वाइस चेयरमैन डॉ.पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि वित्तमंत्री ने एक ऐसे प्रदेश का अपमान किया है, जो न केवल अपनी राजनीतिक चेतना के लिए जाना जाता है। बल्कि उसका अपना बौद्धिक इतिहास रहा है। वर्तमान में देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री इसी प्रदेश से हैं, बावजूद इसके उत्तर प्रदेश की बौद्धिकता पर सवाल उठाना राज्य की अस्मिता का अपमान करने जैसा है। उत्तर प्रदेश का अपमान करके निर्मला सीतारमन राम और कृष्ण की धरती का अपमान कर रही हैं। उनके बयान से जाहिर हुआ है कि अयोध्या और मथुरा का नाम भाजपा के लिए सिर्फ़ राजनीति का मुद्दा है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि वित्तमंत्री तत्काल अपना बयान वापस लें और माफ़ी मांगें।

डॉ.पंकज ने कहा कि वित्तमंत्री ने अपने एक बयान से झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, क्रांतिकारी मंगल पांडे से लेकर चंद्रशेखर आज़ाद, अशफ़ाक उल्लाह, रामप्रसाद बिस्मिल तक का अपमान किया है। यही नहीं, उन्होंने ऐसा बयान देकर उत्तर प्रदेश के उस बौद्धिक इतिहास को ललकारा है जो गोरखनाथ, रैदास, कबीर और तुलसीदास जैसे संतों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता शायद कभी माफ़ नहीं करेगी। वित्तमंत्री को शायद पता नहीं है कि उत्तर प्रदेश के लिए कहा जाता है कि दिल्ली में सरकार का रास्ता उत्तर प्रदेश से ही होकर जाता है। उस उत्तर प्रदेश का जिसने इस देश को अब तक नौ प्रधानमंत्री दिए हैं। जिनमें पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, चौधरी चरण सिंह, चंद्रशेखर से लेकर राजीव गांधी तक शामिल हैं।

डॉ.पंकज श्रीवास्तव ने कहा कि जब वित्तमंत्री उत्तर प्रदेश का उपहास उड़ा रही थीं तो शायद भूल गईं कि वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी से चुनकर संसद में पहुंचे हैं। और उनकी ही पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी उत्तर प्रदेश से ही संसद में पहुंचे थे कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी पूछना कि राज्य की जनता के मुखिया होने के नाते वे अपनी पार्टी की केंद्रीय मंत्री के इस बयान के बारे में क्या सोचते हैं. और क्या वे मोदी मंत्रिमंडल के किसी सदस्य के बयान पर आपत्ति जताने का माद्दा रखते हैं? कांग्रेस पार्टी बनारस की साड़ी, भदोही की कालीन, लखनऊ का चिकन, बुलंदशहर की पॉटरी जैसे उत्तर प्रदेश के 100 शिल्पकला के नमूने, जिनपर देश को नाज है, इनको वित्त मंत्री को कूरियर करेगी, ताकि उन्हें पता चल सके की उत्तर प्रदेश की खासियत उसका शिल्प, गुणवत्ता और कलाकारी है।

''डोर टू डोर अभियान- महिलाओं को, महिलाओं द्वारा, महिलाओं के लिए'' जारी

- प्रदेश में महिलाओं को बांटी जा रही है प्रियंका गाँधी की पाती
- 90 लाख महिलाओं में बांटी जा चुकी प्रियंका गाँधी की पाती
- एक करोड़ महिलाओं तक प्रियंका गाँधी की पाती पहुंचाने का है लक्ष्य

संवाददाता

लखनऊ। अधिक से अधिक महिला मतदाताओं तक अपनी पहुंच बनाने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश में ''डोर टू डोर अभियान– महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा, महिलाओं के लिए'' शुरू किया है। महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट देने के वादे को पूरा करते हुए कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी अब कांग्रेस प्रतिज्ञा पत्र और शक्ति विधान में किए गए वादों की याद दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश की महिलाओं को पत्र भेज रही हैं। पोस्ट कार्ड की शक्ल वाले गुलाबी रंग के इस पत्र को शक्ति संवाद का नाम दिया गया है। पत्र के जरिये प्रियंका गांधी महिलाओं को उनसे किए वादों की याद दिलाते हुए उत्तर प्रदेश के भविष्य की एक नई कहानी लिखने के लिए विधानसभा चुनाव में समर्थन मांग रही हैं।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ. हिलाल अहमद ने बताया कि उत्तर प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा शुरू किया गया यह अनूठा अभियान, 34 लाख घरों में 57 लाख से अधिक महिलाओं तक पहुंच गया है, जिसके जरिये महिलाओं को लोकतंत्र में सक्रिय भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। 1 करोड़ घरों को कवर करने के उद्देश्य से दिसंबर 2021 के मध्य में शुरू हुआ यह अभियान पहले ही 61 जिलों के 142 विधानसभा क्षेत्रों में 90 लाख घरों तक पहुंच चुका है और महिलाओं को पाती वितरित की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि ''लड़की हूं लड़ सकती हूं'' अभियान के एक हिस्से के रूप में 4,000 से अधिक महिलाएं डोर–टू–डोर आउटरीच में शामिल थीं, जो अधिक से अधिक महिलाओं को राजनीतिक दायरे में लाने के लिए एक आंदोलन के रूप में शुरू हुई थी। शुरुआत से ही, इस अभियान ने महिला उम्मीदवारों को 40 प्रतिशत टिकट देने के साथ विधानसभा चुनाव में महिला प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

इस अभियान के दूसरे हिस्से के तहत ''प्रतिज्ञा'' कार्ड वितरित किया जा रहा है, जिसमें लोगों पर केंद्रित नीतियों को लागू करने के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्धता को सूचीबद्ध किया गया है। इनमें कॉलेज छात्राओं के लिए दोपहिया और स्मार्टफोन का वितरण, हर घर में 3 गैस सिलेंडर मुफ्त और किसानों के लिए कर्ज में राहत शामिल है। अब नहीं तो कब ? इस सवाल के साथ पत्र में एक मोबाइल फ़ोन नंबर दिया गया है, जिसे डायल करते ही ''हैलो प्रियंका'' आवाज सुनाई देगी। इसके साथ ही महिलाओं को यह बताया जाएगा कि महिलाओं से किए किस वादे का लाभ पाने के लिए कौन सा नंबर डायल कर पंजीकरण कराना होगा।

उन्होंने कहा कि पत्र में प्रियंका गाँधी ने लिखा है कि इस चिट्ठी के जरिये आपसे शक्ति संवाद स्थापित कर रही हूँ। इतिहास के एक बड़े हिस्से में जो गुमसुदा है, वो एक महिला है। मेरा अटूट विश्वास है कि महिलाएं अगर घर चला सकती हैं, तो देश भी चला सकती हैं। आपने पिछले दिनों कोरोना की मार सही और बढ़ती महंगाई की वजह से सिसकती रसोई का दर्द भी झेला। समाज में कोई भी विपदा आए, उसकी सबसे ज्यादा कीमत महिलाएं चुकाती हैं। ऐसे में कांग्रेस चाहती हैं कि उत्तर प्रदेश में ऐसी सरकार बनें जिसमें बिजली के बिल से लेकर बच्चों की फीस तक के बारे में फैसला महिलाएं करें। इसलिए कांग्रेस पार्टी ने इस चुनाव में महिलाओं को 40 प्रतिशत टिकट दिया है ताकि हर कानून बनने से पहले यह सोचा जाए कि एक आम महिला पर उसका क्या असर पड़ेगा।

मतदान के समय मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाने वाले

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्णयानुसार विधान सभा सामान्य निर्वाचन, 2022 के लिए मतदान के समय मतदाता को अपनी पहचान के लिए मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। मतदाता फोटो पहचान पत्र के विकल्प के संबंध में प्रतिरूपण को रोकने की दृष्टि से ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर सकते हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए वैकल्पिक फोटो पहचान पत्र की व्यवस्था की गयी है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान के समय मतदाता को वैकल्पिक फोटो पहचान पत्र के रूप में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंकों/डाकघरों ने जारी किये फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई ने जारी किये गये स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों ने अपने कर्मचारियों को जारी किए गये फोटोयुक्त सेवा पहचान–पत्र, सांसदों/विधायकों/विधान परिषद् सदस्यों को जारी किये गये सरकारी पहचान पत्र, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा।

अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि एपिक के सम्बन्ध में, लेखन अशुद्धि, वर्तनी की अशुद्धि इत्यादि को नजर अंदाज कर देना चाहिये, बशर्ते निर्वाचक की पहचान म्च्च् से सुनिश्चित की जा सके। यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है, जो कि किसी अन्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने जारी किया गया है, ऐसे एपिक भी पहचान स्थापित करने के लिए स्वीकृत किये जायेंगे, बशर्ते उस निर्वाचक का नाम, जहां वह मतदान करने आया है, उस मतदान केन्द्र से संबंधित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध हो। फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण निर्वाचक की पहचान सुनिश्चित करना सम्भव न हो, तब निर्वाचक को उपरोक्त वैकल्पिक फोटो दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रवासी निर्वाचक, जो अपने पासपोर्ट में विवरणों के आधार पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20क के अधीन निर्वाचक नामावलियों में पंजीकृत हैं, उन्हें मतदान केन्द्र में उनके केवल मूल पासपोर्ट (व कोई अन्य पहचान दस्तावेज नहीं) के आधार पर ही पहचाना जायेगा।

अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री व तस्करी के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त किये जाने के लिये आबकारी विभाग में निरन्तर क्रियाशील है।

संवाददाता

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव, आबकारी संजय आर. भूसरेड्डी ने अवगत कराया है कि अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री व तस्करी पर पूर्ण अंकुश लगाये जाने के लिये आम जनता से सूचना प्राप्त किये जाने के लिए आबकारी मुख्यालय, प्रयागराज पर कन्ट्रोल रूम स्थापित है, जिसके अन्तर्गत अवैध शराब के निर्माण, बिक्री व तस्करी के सम्बन्ध में सूचना देने के लिए टोल फ्री नम्बर ''14405'' लगातार 24ग7 क्रियाशील है। साथ ही इसके लिये व्हाटसएप नम्बर 9454466019 की भी सुविधा उपलब्ध है। टोल फ्री नम्बर पर आमजन ने अवैध शराब के निर्माण, बिक्री व तस्करी के सम्बन्ध में शिकायतें दर्ज कराई जा सकती है, साथ ही व्हाटसएप नम्बर पर व्हाटसएप सन्देश/वीडियों के जरिए भी अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री व अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों व अनुज्ञापित दुकानों के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर अनाधिकृत रूप से शराब की बिक्री किये जाने की सूचनाये दी जा सकती है। सूचना देने वालों का नाम व पता पूर्णतया गोपनीय रखा जायेगा। इसी क्रम में सेन्थिल पांडियन सी., आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश ने बताया कि टोल फ्री व व्हाटसएप नम्बर को सभी देशी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर की दुकानों व माडल शाप पर अंकित कराया गया है, जिससे दुकानों पर होने वाली अनियमितताओं के सम्बन्ध में भी सूचनायें दी जा सकती है।

तेलीबाग पुलिस चौकी के पास दो कपड़ों के शो रुम,और एक सैलून में लाखों की चोरी।

संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के तेलीबाग पुलिस

व्यापारियों में आक्रोश किया प्रदर्शन, आधा घंटे किया रोड जाम।

चौकी के पास,मुख्य बाजार में,मंगलवार की देर रात छत के रास्ते घुसे चोरों ने कपड़े के दो बड़े शोरूम सहित तीन दुकानों से लाखों रुपये की नकदी समेत अन्य कीमती सामान उठा ले गए। चोरी की घटना से इलाके मे हडकंप मच गया। घटना की जानकारी होते ही स्थानीय लोग और व्यापारियों की भीड़ एकत्रित होकर प्रदर्शन करने लगी,तेलीबाग चौकी प्रभारी पर पुलिस गस्त न करने का आरोप लगाते हुए रोड जाम कर दिया,जिससे करीब आधा घंटे तक कैंट रोड जाम रहा, सूचना पर पहुंची पुलिस ने कठोर कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

तीनों दुकानों की जाँच पड़ताल कर डॉग स्क्वायड बुलाया जो कुछ दूरी पर जाकर वापस आ गया ।

सैनिक नगर,तेलीबाग निवासी सुभाष चन्द्र अग्रवाल की तेलीबाग बाजार मे सुभाष क्लॉथ सेंटर के नाम से कपड़े का शोरूम है, बगल में ही रथीन्द्र नगर तेलीबाग निवासी विनोद अग्रवाल की साईं वस्त्रालय के नाम से शोरूम है। सुभाष अग्रवाल और विनोद अग्रवाल ने बताया कि वह मंगलवार रात करीब 10 बजे शोरूम बन्द करके चले गए थे,सुबह जब शटर खोल कर शोरूम के अन्दर गए तो देखा कि, रैक में लगे कपड़े बिखरे हुए थे, वहीं गल्ले मे रखे 30 हजार हजार रुपए,कीमती साड़ी सूट,कोट पैंट, ब्लेजर चोर उठा ले गए हैं।

विनोद अग्रवाल ने बताया कि 25 से 30 हजार रुपये नकदी और सिग्नेचर की हुई कुछ चेक काउंटर में पड़ी हुई थी।

जो चोरी हुए है । कपड़े कितने के गए हैं उनकी कोई जानकारी नहीं हो सकी है । आरोप है कि चोर बगल में बनी सिया कॉम्प्लेक्स की तरफ से आते है, वहां ना तो शटर लगा हुआ है, और ना ही आवागमन के लिए कोई रास्ता बंद कर रखा है। इससे पहले भी घटना इसी रास्ते से हुई थी। वहीं इन दुकानों से सटी कॉम्प्लेक्स में पूनम शाही के सैलून के काउंटर का ताला तोड़कर उसमें में रखे 14 हजार रुपये गायब थे ।

तेलीबाग चौकी प्रभारी को लेकर व्यपारीयों में आक्रोश जताया है। इंस्पेक्टर पीजीआई धर्मपाल सिंह ने बताया कि तीनों पीड़ितों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ।जल्दी ही घटना का खुलासा कर दिया जायेगा।

मझौली सागर परिसर में विश्व वेटलैंड दिवस का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सामाजिक वानिकी वन प्रभाग सिद्धार्थनगर अंतर्गत मझौली सागर परिसर में विश्व वेटलैंड दिवस का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पुलकित गर्ग, मुख्य विकास अधिकारी सिद्धार्थ नगर ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व वेटलैंड दिवस का आयोजन वेटलैंड्स के संरक्षण ,संवर्धन व विकास की दिशा में किया जाता है। यह जनमानस में वेटलैंड्स के संरक्षण संवर्धन एवं विकास के प्रति जनमानस का ध्यान आकृष्ट करने हेतु जनपद के प्राकृतिक संपदा के संरक्षण हेतु उपयोगी है। जनपद सिद्धार्थनगर को वेटलैंड्स के मामले में काफी प्रचुरता का गौरव प्राप्त है। हम सभी को वेटलैंड्स के अतिक्रमण को रोकने और स्थानीय तथा प्रवासी पक्षियों के शिकार पर रोक लगाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। मझौली सागर प्राकृतिक वेटलैंड्स के रूप में प्रसिद्ध है। इसके विकास एवं संरक्षण से इको टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। अध्यक्षीय संबोधन में अमित सिंह कमांडेंट एसएसबी ने कहा कि कपिलवस्तु के निकट इस प्राकृतिक वेटलैंड मझौली सागर के सुरम्य वातावरण में स्थानीय व प्रवासी पक्षियों का आगमन होता रहता है। प्रवासी पक्षी हमारे मेहमान हैं। हमें उनकी पूर्ण सुरक्षा व वेटलैंड्स का संरक्षण करना चाहिए ।अतिथियों का स्वागत व कार्यक्रम पर संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए चंदेश्वर सिंह डीएफओ सिद्धार्थनगर ने कहा कि वेटलैंड्स एक विशेष प्रकार का पारिस्थितिकीय तंत्र है तथा जैव विविधता का एक महत्वपूर्ण अंग व जलीय तथा स्थलीय जैवविविधता स्थल होने के कारण वन्य प्राणियों प्रजातियों व वनस्पतियों की प्रचुरता होने से वैटलैंडस के माध्यम से परोक्ष व अपरोक्ष रूप में हम सभी प्राणी जगत को लाभ मिलता है । हम सभी का जीवन चक्र भी किसी न किसी रूप में वेटलैंड से जुड़ा है। यह जल चक्र द्वारा जल को शुद्ध करने तथा प्रदूषक अवयवो के निष्कासन व ग्राउंड वाटर को संतुलित करने में सहायक है। आज के इस अवसर पर हम सभी को अपने क्षेत्रों में स्थित प्राकृतिक वेटलैंडस व स्थानीय तथा प्रवासी पक्षियों के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। उक्त अवसर पर शरद कुमार श्रीवास्तव उप प्रभागीय वनाधिकारी डुमरियागंज ,क्षेत्रीय वन अधिकारी नौगढ़ गर्जन राम, डीएफओ ने मुख्य विकास अधिकारी तथा कमांडेंट एसएसबी को वेटलैंडस से संबंधित स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रदीप कुमार त्रिपाठी उपप्रभागीय वनाधिकारी सिद्धार्थ नगर ने कहा कि वेटलैंड्स हमारे प्राकृतिक संसाधन हैं। इनका संरक्षण पूर्ण मनोयोग से करना चाहिए। कार्यक्रम में अधिकारियों व जनमानस ने वेटलैंड के संरक्षण ,संवर्धन व विकास के दृष्टिगत संकल्प पर हस्ताक्षर किया। कार्यक्रम का संचालन सिद्धार्थ शंकर पांडे ने किया। उक्त क्षेत्रीय वन अधिकारी बांसी रामप्रताप शुक्ला, क्षेत्रीय वन अधिकारी खेसरहा सुभाष चंद्र त्रिपाठी, क्षेत्रीय वन अधिकारी डुमरियागंज अजय शंकर शुक्ला, डिप्टी रेंजर राजेश कुमार, वनदरोगा निखिल कुमार श्रीवास्तव, देवेश कुमार मिश्र ,जगदीश प्रसाद, दिलीप कुमार, कृपा शंकर, लाल बहादुर ,शैलेंद्र कुमार, वनरक्षक विजय प्रकाश पांडे, महेश प्रसाद, वीट प्रभारी बसंत प्रसाद ,अदालत स्वामीनाथ, नरेंद्र कुमार, गोकुल प्रसाद ,मकसूद माली समेत तमाम वन कर्मी व स्थानीय नागरिक तथा बच्चे उपस्थित रहे।

न्याय के लिए दर-दर भटक रहे ग्रामीण

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। महाराजगंज के विकास खण्ड नौतनवां अंतर्गत ग्राम सभा बैकुंठपुर उर्फ बोदरवार के टोला बिषेशर से लगभग दर्जनों घरों के लोगों ने सीएम हेल्पलाइन डेस्क पर शिकायत करते हुए लिखा की श्रीराम पुत्र रामशरन निवासी ग्रामवासी द्वारा अवैध रूप से छः फीट के रास्ता खड़ंजा की भूमि को कब्जा किया जा रहा है जिस पर उक्त व्यक्ति द्वारा मनमानी कर बाउंड्री कराया जा रहा है। निर्माण कार्य तत्काल रुकवाने के लिए ग्रामवासियों ने 112 पुलिस हेल्पलाइन का सहायता लिया जिस पर दिनांक 28.01.2022 को दोनों पक्षों को बुलाकर स्थानीय थाना परसामलिक में सुलह समझौते के आधार पर यह समझौता कराया की जब तक जमीन की पैमाइश नहीं हो जाती तब तक निर्माण कार्य नहीं कराएंगे कि दूसरे ही दिन श्रीराम पुत्र रामशरन द्वारा निर्माण कार्य पुनः प्रारंभ कराया गया जिस पर ग्रामीणों ने अवरोध करते हुए स्थानीय थाना परसामलिक जा पहुंचे यहां दोनों पक्षों को बुलाकर समझाने के पश्चात भी विवाद की स्थिति को देखते हुए शांति भंग का मुकदमा पंजीकृत कर दिया। सोमवार की शाम उप जिलाधिकारी मजिस्ट्रेट नौतनवां के आदेशोपरान्त जमानत मिलने के पश्चात अगले ही दिन उक्त आरोपित द्वारा निर्माण कार्य पुनः प्रारंभ करा दिया गया। ऐसी स्थिति में ग्राम प्रधान सहित दयाराम सहानी, आकाश, सर्वजीत, वीरेंद्र, रामवृक्ष, जनार्दन आदि ने नौतनवां उप जिलाधिकारी के समक्ष हो कर निर्माण कार्य को रुकवाने हेतु निवेदन किया, ग्रामीणों के अनुसार संतोषजनक न्याय प्राप्ति न होने पर न्याय प्रक्रिया पर अत्यंत रोष जताया और आरोपित के बुलंद हौसले पर निर्माण कार्य जारी रहने से पुलिसिया कार्यवाही पर भी संदेह जताया।

आश्वासन के बाद भी नहीं हुआ सड़क के मरम्मत का कार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम भर्रोह से नरहन होते हुए सरयू नदी के किनारे तक जाने वाले मार्ग का मरम्मत आज तक नहीं हुआ। बताते चलें कि इस मार्ग के मरम्मत के लिए 2019 में ही ग्रामीणों द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया परंतु आज तक उस प्रार्थना पत्र पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अरुण पांडेय का कहना है कि दो महीने पहले जब जिलाधिकारी महोदय का दौरा हुआ तब हम ग्रामीणों ने मिलकर एक साथ जिलाधिकारी महोदय को इस मार्ग के मरम्मत से संबंधित पत्र सौंपा और उन्होंने वादा किया कि हम इस मार्ग को जल्द ही ठीक कराते हैं परंतु आज तक इस मार्ग को ना कोई देखने आया और ना ही अभी तक कोई इस पर कार्य शुरू हो सका। इस मार्ग के उपयोग की दृष्टि से देखा जाए तो निसंकोच यह मार्ग इधर के लोगों के लिए बहुत ही उपयोगी है। इस मार्ग से लोग मां सरयू स्नान के लिए व शवदाह के लिए भी आते जाते रहते हैं। आस पास के गांव चड़िहार, नरहन,बरहज व रामावारी आदि के लिए मुख्य मार्ग है। इस बदहाल सड़क की वजह से आए दिन दुर्घटना होने की भी आशंका बनी रहती है। गांव के अरुण पांडेय, शैलेन्द्र पाण्डेय,लालमोहन ,राधेश्याम नायक, मनोज पांडेय, दीनानाथ पांडेय, लालचंद समेत दर्जनों लोगों ने बताया कि सरकार ने भी सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का आदेश दिया है पर अभी तक इस मार्ग पर कुछ नहीं हुआ और यदि हम लोगों के आवागमन के इस इकलौते मार्ग की उचित तरीके से मरम्मत नहीं कराई गई तो हम सभी ग्रामीण इस चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

क्राइम ब्रांच सोनभद्र व थाना करमा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, अंतरप्रांतीय गाजा तस्कर हुए गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशानुसार मादक पदार्थों के व्यापार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध जनवरी माह में प्रभावी कार्यवाही की कार्य योजना प्रचलित है उसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी घोरावल के निर्देशन में स्वाट, एसओजी, सर्विलांस टीम तथा करमा पुलिस की एक संयुक्त टीम गठित की गई और इस टीम के अथक परिश्रम से दिनांक 1 फरवरी 2022 की रात्रि करमा गेट पर सघन वाहन चेकिंग के दौरान होंडा सिटी व स्विफ्ट डिजायर कार वाहन संख्या क्रमशः सीजी 04 एचएन 6699 यूपी 70 एफजे 3659 से भारी मात्रा में नाजायज गाजा मादक पदार्थ के साथ 6 नफर अभियुक्तों को पकड़ा गया क्षेत्राधिकारी घोरावल की उपस्थिति में पकड़े गए व्यक्तियों की निशानदेही पर पकड़े गए वाहनों में रखे गाजा के 30 पैकेट बरामद किए गए जिसका वजन 1 कुंतल 70.54 किलोग्राम है जिसकी कीमत लगभग 17 लाख रुपया है जब पुलिस द्वारा पूछताछ की गई तो अभियुक्तों ने बताया कि वह लोग मादक पदार्थ गांजा उड़ीसा से लाकर प्रयागराज कौशांबी व प्रतापगढ़ जनपद में अच्छी कीमत पर बेचते हैं यही उन लोगों का व्यवसाय है गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में सत्यम केसरवानी पुत्र राजकुमार केसरवानी निवासी सराय अकिल थाना सराय अकिल जनपद कौशांबी, संजय केसरवानी पुत्र सज्जन लाल केसरवानी निवासी सदर बाजार रामचरण रोड थाना कोतवाली जनपद प्रतापगढ़,मोहम्मद नसीम पुत्र अली रजा निवासी मोहल्ला अकबरपुर थाना करेली जनपद प्रयागराज, आशीष कुमार ताम्रकार पुत्र रमेश चंद्र ताम्रकार निवासी सराय अकिल थाना सराय अकिल जनपद कौशांबी, अनिकेत तिवारी उर्फ छोटू पुत्र सुशील तिवारी निवासी सराय अकिल थाना सराय अकिल जनपद कौशांबी, मोहम्मद शरीफ उर्फ राजू पुत्र स्वर्गीय सलीम निवासी करेली थाना करेली जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया इनके पास से 1 कुंतल 70.54 किलो ग्राम गांजा बरामद किया गया जिसकी अनुमानित लागत 1700000 है इनके पास से 15460 नगद बरामद किया गया और एक होंडा सिटी कार और एक स्विफ्ट डिजायर कार कब्जे में ली गई थाना करमा में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

गिरफ्तार करने में निरीक्षक साजिद सिद्दीकी प्रभारी एसओजी टीम जनपद सोनभद्र उपनिरीक्षक सरोज मासी प्रभारी सर्विलांस जनपद सोनभद्र उपनिरीक्षक अमित त्रिपाठी प्रभारी स्वाटिंग जनपद सोनभद्र वरिष्ठ उप निरीक्षक विनोद यादव थाना करमा जनपद सोनभद्र उपनिरीक्षक शेषनाथ यादव थाना करमा जनपद सोनभद्र हेड कांस्टेबल अतुल सिंह हेड कांस्टेबल चंद्रभान यादव हेड कांस्टेबल अरविंद सिंह हेड कांस्टेबल जगदीश मौर्य हेड कांस्टेबल अमर सिंह हेड कांस्टेबल शशी प्रताप सिंह कांस्टेबल हरिकेश यादव कांस्टेबल रितेश पटेल स्वाद व एसओजी टीम जनपद सोनभद्र कांस्टेबल सौरभ राय कांस्टेबल प्रकाश सिंह कांस्टेबल अमित सिंह कांस्टेबल दिलीप कश्यप सर्विलांस सेल अपराध शाखा सोनभद्र हेड कांस्टेबल योगेंद्र उपाध्याय हेड कांस्टेबल कांस्टेबल मृत्युंजय सिंह कांस्टेबल अनिल कुमार कांस्टेबल शशिकांत प्रयागराज कांस्टेबल आशीष मिश्रा थाना करमा सोनभद्र शामिल रहे इनके सराहनीय कार्य को देखते हुए उत्साहवर्धन हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा पूरी पुलिस टीम को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गय।

कामेश्वरनाथ मंदिर पर नवग्रह पेड़ों का हुआ रोपण

राजपति देवी व फणींद्र नाथ उपाध्याय ने लगाया पीपल, आंवला और बेल का पौधादैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। विगत कई वर्षों से स्थापित जेल बाईपास रोड स्थित कामेश्वरनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना सरस्वतीपुरम कॉलोनी के लेन नंबर 4 में किया गया। सड़क निर्माण के बीच आ रहे मंदिर की पुनर्स्थापना नगर निगम द्वारा निर्दिष्ट स्थान पर कराया गया। बुधवार को विधि–विधान से राजपति देवी व फणींद्र नाथ उपाध्याय ने मंदिर परिसर में नवग्रह का पौधरोपण किया। इसके अलावा पूजा पाठ में काम आने वाले अन्य पौधों का रोपण भी किया। मंदिर परिसर में पीपल, नीम, आम, बेल, अमरूद आंवला सहित तमाम औषधीय पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान राजपति देवी ने कहा कि मंदिर परिसर में लगाए गए पौधे कुछ वर्षों में वृक्ष का रूप धारण कर लेंगे। यह वातावरण को शुद्ध बनाने के साथ ही देवी देवताओं को चढ़ाने व अन्य पूजा पाठ में काम आएंगे। फणीन्द्रनाथ उपाध्याय ने कहा कि औषधीय गुणों वाले पौधे सहित अन्य पौधों को लगाना पर्यावरण के साथ–साथ मानवता के कल्याण के लिए भी आवश्यक है। एक पेड़ 10 पुत्रों के समान माना गया है और निश्चित तौर पर दैवीय गुणों व औषधीय गुणों के होने के चलते वृक्ष लगाना एक पुनीत कार्य है। इस अवसर पर डॉक्टर कौस्तुभ नारायण मिश्र, अजीत उपाध्याय, मुकेश उपाध्याय, विनय, प्रांजल, सुरेंद्र उर्फ हनुमान, अनमोल प्रताप सिंह, विकास मिश्र आदि मौजूद रहे।

सोनभद्र के गौरव बीरेंद्र मिश्र एचडीएफसी में एडवाइजर बने

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिले के भरहरी गांव के बीरेंद्र मिश्र का सुंदर प्लेसमेंट हो गया है। दुनिया की मशहूर बैंकिंग एंड फाइनेंस कम्पनी एचडीएफसी ने आईआईएम लखनऊ में चल रहे कैम्पस प्लेसमेंट के बतौर इन्वेस्टमेंट बैंकर (पोर्ट फोलियो एडवाइजर) पद के लिए चयन किया है। बीरेंद्र के बड़े भाई सुखेन्द्र मिश्र प्रयागराज में सब इंस्पेक्टर हैं। बीरेंद्र 8 लाख करोड़ से अधिक के बाजार पूंजीकरण वाले बैंक के फंड को अपनी टीम के साथ मैनेज करेंगे जिससे ग्राहकों और देश की अर्थव्यवस्था को अधिकतम फायदा हो सके। महज 23 वर्ष की उम्र में एचडीएफसी जैसे बड़े संगठन के उच्च पद पर पहुंचना हम सबके लिए ही नहीं बल्कि पूर्वांचल के लिए गर्व का विषय है। बीरेंद्र का नक्सल प्रभावित ज़िले के अति साधारण स्कूलों से विश्व प्रसिद्ध संस्थानों में शुमार आईआईएम लखनऊ तक का सफ़र बहुत संघर्ष मय रहा। बीरेन्द्र की लगन और अथक परिश्रम से परिणाम शानदार आया। देशभर के, विशेषकर सोनभद्र के विद्यार्थियों को बीरेन्द्र मिश्र के बारे में बता दें कि कैट की परीक्षा उत्तीर्ण कर सोनभद्र का मान पहले ही बढ़ा चुके थे। भारत सहित दुनिया के प्रतिष्ठित मैनेजमेंट संस्थान भारतीय प्रबंधन संस्थान का रिजल्ट आया और इनका चयन आईआईएम लखनऊ, आईआईएम इंदौर, आईआईएम शिलांग में हुआ था। इससे पहले बीरेन्द्र उत्तरप्रदेश के इंजीनियरिंग संस्थान आईईटी (इंस्टीयूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी) से मैकिनीकल इंजीनियरिंग से बी टेक कर रहे थे। फिर कैट की परीक्षा के लिए तैयारी की और प्रथम प्रयास में ही इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण किया था। सोनभद्र नक्सल प्रभावित जिला है और भरहरी जैसे गाँव की प्राथमिक शिक्षा प्रणाली से हम सभी वाकिफ़ हैं। बीरेंद्र की 8 तक पढ़ाई गांव के साधारण स्कूल से ही हुई। सोनभद्र के गांव, समाज, क्षेत्र और नक्सल प्रभावित ज़िले के लिए खुशी और गर्व की बात है। इससे पहले बीरेन्द्र मिश्र ने 2013 में ओबरा इंटर कॉलेज से 86 फीसद के साथ हाईस्कूल और 2015 में जवाहर नवोदय विद्यालय बहुआर (राबर्ट्सगंज) से 95 फीसद अंक के साथ इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किया था। इंटरमीडिएट में बीरेन्द्र की सफलता से प्रभावित होकर तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने इन्हें लेटर ऑफ इंस्पिरेशन देकर सम्मानित किया था। पिता दयाशंकर मिश्र साधारण किसान, माँ दुर्गावती मिश्र गृहणी हैं। बीरेंद्र के चयन से सोनभद्र के लोगों में खुशी है। हम बता दें बीरेंद्र कुमार मिश्र के चयन से अत्यंत पिछड़े सोनभद्र के विद्यार्थियों में नई आशा के साथ ही विद्यार्थियों में कुछ कर गुजरने का जज्बा जगेगा।

शत्रुंजय मिश्रा और आकृति निर्भया को नई जिम्मेदारी मिलने पर कांग्रेसी हर्षित

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन, यूपी सरकार के पूर्व मंत्री रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी द्वारा सोनभद्र के कद्दावर कांग्रेसी नेता शत्रुंजय मिश्रा को जिले का मीडिया प्रवक्ता और आकृति निर्भया को मीडिया क्वाडिनेटर नियुक्त किया है। बताते चले की शत्रुंजय मिश्रा काफी लंबे समय से पार्टी में सक्रिय रूप से पार्टी द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को निभा रहे हैं। इसके पहले वे युवा कांग्रेस के नगर अध्यक्ष, जिला सचिव, लोकसभा महासचिव, के अलावा असम,जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, बिहार, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में कांग्रेस पार्टी द्वारा दिए गए जिम्मेदारियों को निभा चुके है। ऐसे में इनको मीडिया प्रवक्ता नियुक्त किए जाने से जिले के पदाधिकारियों में खुशी की लहर व्याप्त हो गई है। वहीं आकृति निर्भया भी पार्टी में सक्रिय रूप से संगठन के कार्यों को निभा रही हैं और पार्टी को मजबूत करने में लगी हुई हैं जिसको देखते हुए उन्हें भी मीडिया कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित स्वागत सम्मान के दौरान दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों के प्रति हर्ष व्यक्त करते हुए कार्यवाहक जिलाध्यक्ष फरीद अहमद, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, वरिष्ठ व कद्दावर कांग्रेस नेता राजेश द्विवेदी, अरविंद सिंह, जगदीश मिश्रा, जितेंद्र पासवान, उषा चौबे, मुस्ताक अहमद, प्रदीप चौबे, सूरज यादव,निगम मिश्रा सहित दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी है।

सम्पादकीय

इस बरस सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। वर्ष के पूर्वार्द्ध में पंजाब और उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में और वर्ष के उत्तरार्द्ध में दो राज्यों में। बड़ी बात यह कि पांच राज्यों के इन विधानसभा चुनावों में कोरोना की तीसरी लहर जो डेल्टा प्लस और ओमीक्रोन वायरस का मिला-जुला संक्रमण प्रभाव है, फैली है। जिस तेजी के साथ इस तीसरी लहर ने संक्रमण के आंकड़े बढ़ा साढ़े तीन लाख के पार किये हैं, उसके सामने बीते वर्ष के शुरू में कोरोना की दूसरी लहर के फैलने की गति गौण लगने लगी है। केवल एक दिलासा अवश्य है कि कोरोना की दूसरी लहर के मुकाबले तीसरी लहर हल्की है। टीका लगे रोगियों को अस्पताल ले जाने की कम जरूरत पड़ रही है। यह भी कहा जा रहा है कि इस लहर में कुल मौतें कम होंगी और यह लहर जल्द ही अपना शिखर छू कर दब जायेगी।

नयी कार्य और विकास संस्कृति हो प्राथमिकता

वायरस के फैलाव की गति का तो सटीक अंदाजा नहीं लगाया जा सकता, यह भी कहा जा रहा है कि इसके विस्तार का द्रुत कारण यह भी रहा कि अब तक जो सौ करोड़ से अधिक लोगों को टीका लगा है, वह कोरोना निरोधी टीका है, सटीक उपचार नहीं। लोग तेजी से संक्रमित हो रहे हैं। लेकिन सरकार का निर्णय यही रहा कि लोकतंत्र की गति से कोई समझौता नहीं होगा। जहां–जहां विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां नियत तिथि पर चुनाव करवाये जायेंगे। उम्मीद की जा रही है कि भारत में लोकतंत्र प्रौढ़ हो गया है। लोग अपनी जिम्मेदारी स्वयं समझेंगे। सामाजिक अंतर रखेंगे, आपसी दूरी बनाकर रखेंगे, मास्क पहनेंगे और टीके की डोज पूरी करेंगे, क्योंकि इसी में बचाव है। खैर, मतदान की तिथियां तय हो गयीं। पंजाब में यह तिथि चौदह फरवरी से स्थगित होकर बीस फरवरी हो गयी, क्योंकि चौदह फरवरी को रविदास जयंती है।

चुनाव आयोग इस बार सतर्क है। बीते बरस पश्चिम बंगाल चुनावों में ताबड़तोड़ रैलियों के कारण कोरोना की दूसरी लहर भयावह हो उठी थी, और बहुत–सी मौतों का कारण बनी थी। इस बार इससे शिक्षा लेते हुए इकत्तीस जनवरी तक रोड शो व रैलियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, केवल इन चुनावों के हर चरण में छोटी सभाएं हो सकेंगी, या डिजिटल प्रचार पर जोर दिया जा रहा है। वीडियो वैन के जरिये भी प्रचार की इजाजत मिल गयी है। पहले और दूसरे चरण में पांच सौ लोगों तक जनसभा की छूट मिल गयी और द्वार–द्वार प्रचार के लिये पांच की जगह दस लोग शामिल हो सकेंगे। पहली फरवरी से भी कितना खुला प्रचार हो सकेगा, यह तब कोरोना की स्थिति बतायेगी।

लेकिन एक बात स्पष्ट है कि कोरोना से भयभीत इन इलाकों में इस बार चुनाव प्रचार उस हंगामा खेज कोलाहल से नहीं होगा, जैसा कि पहले चुनावों में देखा जाता रहा। चुनाव आयोग ने डिजिटल माध्यम से चुनाव प्रचार की इजाजत दे रखी है। लेकिन आम जन की शिकायत है कि इन सब इलाकों में गांवों में बसता भारत है। बहुत से स्थानों पर मोबाइल टॉवर हैं नहीं, भला ऐसी हालत में डिजिटल प्रचार कितना सार्थक हो सकेगा, विचारणीय है। लेकिन इसमें संदेह नहीं कि चुनाव आयोग ने आम मतदाता की समझदारी पर भरोसा करते हुए चुनाव टाले नहीं और भरोसा रखा है कि भारत का नागरिक अपने दायित्व को समझते हुए इस चुनाव को सही ढंग से पूर्ण होने देगा। भारतीय नागरिक की प्रौढ़ता पर भरोसा करना प्रशंसनीय है, लेकिन चुनाव लडने वाले नेताओं को भी इन बदली परिस्थितियों में बदलाव और समझदारी दिखानी चाहिए।

इस वक्त तो आलम यह है कि अपने आपको लोकतंत्र के पहरुए कहलाने वाले पहले विभिन्न दलों की टिकट हथियाने और फिर विजय प्राप्त करने के लिए साम, दाम, दंड और भेद अर्थात हर हथकंडे का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी सिद्धांत, आदर्श और मान्यता के बल पर नहीं बल्कि दलित, जाट और हिन्दू–सिख के वोट प्रतिशत के आधार पर सीटें बंट रही हैं। दलगत प्रतिबद्धता का चिन्ह नजर नहीं आता। जिस उम्मीदवार को टिकट नहीं मिलती, वह टिकट के आश्वासन पर दल का पाला बदलते तनिक भी देर नहीं लगाता।

यहां असंतोष और बगावत का मूल मुद्दा यह नहीं कि लोगों के रोजगार के लिए, महंगाई और चोरबाजारी के खिलाफ जूझना है, बल्कि यह आधार है कि हम अपनी जात बिरादरी के लोगों का अधिक से अधिक क्या भला कर देंगे?

ईमानदारी का राग अलापने वाले बड़े नेताओं के भी मुखौटे नुच रहे हैं। नशा माफिया को लेकर पंजाब में नेताओं की गिरफ्तारी, जमानत और आरोपों–प्रत्यारोपों की बौछार इस चुनावी वातावरण को विषाक्त कर रही है। अवैध खनन को लेकर ईडी की छापामारी और उसको लेकर जो धूल उड़ी, उसने पश्चिमी बंगाल की याद दिला दी। भ्रष्टाचार के मुद्दे का खूब राजनीतीकरण हुआ और मानहानि के मुकदमे की धमकियों की नौबत आयी है। लेकिन इस सब में विडंबना यह है कि उम्मीदवार दूसरे की छवि बिगड़ते देख अपना–अपना दांव लगाने की कसर नहीं छोड़ रहे।

विसंगति यह भी कि चुनाव प्रचार में राज्य के विकास का गंभीर रोड मैप पेश करने की बजाय नेता गण राहतों, रियायतों और मुफ्तखोरी की सुविधाओं का राग अलाप रहे हैं। जनता को दरपेश मूल समस्याओंकृ रोजगार, महंगाई और भ्रष्टाचार से भिडने की बजाय राहतों की चोर गलियां खोली जा रही हैं। यह एक तरह का काल्पनिक पिष्ट पोषण या हवाई उड़ान नहीं तो और क्या है?

होना यह चाहिए था कि पांच साल के बाद नयी सरकारें चुनने का समय आया है और इसके लिये एक नयी विकास संस्कृति और एक नयी कार्य–संस्कृति का जन्म होता। ऐसा नहीं हो रहा। बल्कि जनता को वही पर्स भर देने के चोर–गली वादे और जाने–पहचाने हथकंडे नजर आ रहे हैं। इस बार तो चुनाव प्रचार और मतदान में भी डिजिटल घुसपैठ हो गयी, इसलिए चौकस रहना होगा कि ये चुनाव नकली वोटों के चोर दरवाजे और छद्म राह न खोल दें। असाधारण परिस्थितियों में यह चुनाव हो रहे हैं। हर बार मतदाता महसूस करता है कि नेताओं ने इसे भ्रमित करके अपनी कुर्सी सुरक्षित कर ली।

यह आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष है, क्यों न इस समय यह चुनाव मतदाताओं की प्रौढ़ समझ की उम्मीद रख ले। धुआंधार प्रचार से भ्रमित होने का अवसर इस बार नहीं हो। मतदाता इस बार स्वयं निर्णय करें कि सही क्या है और गलत क्या? मतदान करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी कर दें।

चयनित केवल वह उम्मीदवार हों जो पूरी निष्ठा के साथ इन राज्यों में नया युग लाने में समर्थ हैं। ऊंचे भाषणों, खोखले दावों और श्अपना जात धर्म तेरा जात धर्मश्य की अंधेर गलियों में बहुत भटक लिये। आइए, समझदारी से मतदान करके नेताओं को उनकी सही जगह और सही काम की पहचान करवा दें।

भारत आर्द्रभूमि संरक्षण को क्यों महत्व देता है

विश्व आर्द्रभूमि दिवस द्धवर्ल्ड वेटलैंड डेऋ 2 फरवरी को मनाया जाता है। दुनिया भर में इस दिवस का आयोजन लोगों और हमारी धरती के लिए आर्द्रभूमि के अहम महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जाता है। इसके अलावा, विश्व आर्द्रभूमि दिवस ईरान के शहर रामसर में 1971 में किए गए आर्द्रभूमि से संबंधित रामसर समझौते को याद करने का भी एक अवसर है।

भूपेंद्र यादव

आज यह ध्यान देने योग्य तथ्य है कि रामसर समझौते के ग्लोबल वेटलैंड आउटलुक के अनुसार, आर्थिक रूप से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण इकोसिस्टम और वैश्विक जलवायु के नियामकों में शामिल आर्द्रभूमि जंगलों की तुलना में तीन गुना तेजी से गायब हो रहे हैं। वनों के महत्व के बारे में जहां काफी जानकारियां उपलब्ध हैं, वहीं आर्द्रभूमि की उपयोगिता को हमेशा पूरी तरह से नहीं समझा गया है।

पीटलैंड, जोकि दुनिया के भूसतह का सिर्फ तीन प्रतिशत हिस्सा हैं, वनों की तुलना में दोगुना कार्बन संचित करते हैं और इस प्रकार वे जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और जैव विविधता से संबंधित वैश्विक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निश्चित रूप से, आर्द्रभूमि समुद्र तटों की रक्षा करके बाढ़ जैसी आपदाओं के जोखिम को कम करने में भी मदद करती है।

तटीय और समुद्री इकोसिस्टम में प्रजातियों की समृद्धि के बारे में किए गए एक हालिया संकलन ने समुद्री घास की कम से कम 14 प्रजातियों, मैनग्रोव की 69 प्रजातियों (सहयोगियों सहित), डायटम की 200 से अधिक प्रजातियों, पोरिफेरा की 512 प्रजातियों, सीनिडारिया की 1,042 प्रजातियों, मोलस्क की 55,525 प्रजातियों, क्रस्टेशियंस की 2,394 प्रजातियों, मत्स्य वर्ग (पाइसीज) की 2,629 प्रजातियों, सरीसृप वर्ग की 37 प्रजातियों, पक्षियों की 243 प्रजातियों और स्तनधारी की 24 प्रजातियों की उपस्थिति का संकेत दिया है। भारतीय मैनग्रोव में पायी जाने वाली वनस्पतियों की 925 प्रजातियों और जीव दृ जन्तुओं की 4,107 प्रजातियों के बारे में जानकारियां उपलब्ध हैं। देश के महत्वपूर्ण रीफ क्षेत्रों में फलतेदृ फूलते कम से कम 478 प्रजातियों के साथ भारत के स्क्लेरेक्टिनिया कोरल में अन्य उष्णकटिबंधीय रीफ क्षेत्रों की तुलना में अधिक समृद्ध विविधता है।

हर साल, लाखों प्रवासी पक्षी भारत आते हैं और आर्द्रभूमि इस वार्षिक परिघटना में अहम भूमिका निभाती हैं। इकोलॉजी की दृष्टि से आर्द्रभूमि पर निर्भर रहने वाले ये प्रवासी जलपक्षी अपनी मौसमी आवाजाही के जरिए विभिन्न महाद्वीपों, गोलार्धों, संस्कृतियों और समाजों को आपस में जोड़ते हैं। यह प्रवासन एक बेहद ही नाजुक दौर होता है, एक ऐसा समय जब पक्षियों को उच्चतम मृत्यु दर का सामना करना पड़ता है। स्टॉपओवर साइट या ठहराव स्थल प्रवासी पक्षियों को आराम और शिकारियों एवं उनकी यात्रा के अगले चरण पर निकलने से पहले खराब मौसम से सुरक्षा प्रदान करती हैं। विविध प्रकार की आर्द्रभूमि पक्षियों को जरूरी ठहराव की सुविधा प्रदान करती है। बदले में, ये प्रवासी जलपक्षी संसाधनों के प्रवाह, जैव ईंधन (बायोमास) के हस्तांतरण, पोषक तत्वों के निर्यात, खाद्य–संजाल संरचना और यहां तक कि सांस्कृतिक संबंधों को आकार देने में योगदान देकर उन आर्द्रभूमि में एक अहम भूमिका निभाते हैं जहां वे अपने जीवनकाल के विभिन्न चरणों में रहते हैं।

मध्य एशियाई फ्लाईवे (सीएएफ) जलपक्षियों के उन नौ वैश्विक फ्लाईवे में से एक है, जिसमें साइबेरिया के सबसे उत्तर में स्थित प्रजनन भूमि से लेकर पश्चिम एवं दक्षिण एशिया के सबसे दक्षिण में स्थित गैर–प्रजनन भूमि तक, मालदीव और ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र के प्रवासन मार्ग शामिल हैं (सीएमएस 2005)। मध्य एशियाई फ्लाईवे (सीएएफ) के लगभग 71 प्रतिशत प्रवासी जलपक्षी भारत को एक ठहराव स्थल के रूप में उपयोग करते हैं। इसलिए, इस फ्लाईवे के भीतर जलपक्षियों की आबादी को बनाए रखने के लिए भारतीय आर्द्रभूमि के स्वास्थ्य को सही बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

आर्द्रभूमि का भारतीय संस्कृति और परंपराओं के साथ भी एक गहरा संबंध है। मणिपुर में जहां लोकटक झील स्थानीय लोगों द्वारा श्इमाय (अर्थात् माता) के रूप में पूजनीय है, वहीं सिक्किम की खेचोपलरी झील श्मनोकामना पूरी करने वाली झीलश्य के रूप में लोकप्रिय है। उत्तर भारत का छठ पर्व लोग, संस्कृति, पानी और आर्द्रभूमि के जुड़ाव की सबसे अनोखी अभिव्यक्तियों में से एक है। कश्मीर में डल झील, हिमाचल प्रदेश में खज्जियार झील, उत्तराखंड में नैनीताल झील और तमिलनाडु में कोडाईकनाल देश के लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ओडिशा की चिल्का झील में किया जाने वाला मत्स्यपालन और पर्यटन इस लैगून के आसपास रहने वाले दो लाख से अधिक लोगों की आजीविका को सहारा देता है।

इतने व्यापक महत्व के बावजूद, वैश्विक स्तर पर आर्द्रभूमि का अस्तित्व जल निकासी, प्रदूषण, अंधाधुंध उपयोग, आक्रामक प्रजातियों, वनों की कटाई और मिट्टी के कटाव सहित विभिन्न कारणों से खतरे में है।

हालांकि, वैश्विक स्तर पर आर्द्रभूमि के सिकुड़ते जाने की प्रवृत्ति के उलट भारत गर्व के साथ आर्द्रभूमि के संरक्षण में सक्रिय है। ऐसा करते हुए हमने अपने समृद्ध अतीत से प्रेरणा लेना जारी रखा है। आर्द्रभूमि का उल्लेख चाणक्य के अर्थशास्त्र में भी मिलता है, जहां इसे श्अनुपाच्य या अतुलनीय भूमि कहा गया है और पवित्र माना गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र नोदी द्वारा निरंतरता को विकास का एक प्रमुख पहलू बनाए जाने के साथ भारत में आर्द्रभूमि की देखभाल करने के तरीके में समग्र सुधार हुआ है। यह देश अब रामसर जैसे 47 स्थलों की भूमि है। यह दक्षिण एशिया के किसी भी देश के लिए रामसर जैसे स्थलों का सबसे बड़ा नेटवर्क है। जिन लोगों को शायद रामसर के बारे में जानकारी नहीं है, उन्हें जानना चाहिए कि यह एक आर्द्रभूमि स्थल है जिसे अंतरराष्ट्रीय महत्व की एक परिघटना के लिए नामित किया गया। भारत की राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य–योजना (2017–2031) ने अंतर्देशीय जलीय इकोसिस्टम के संरक्षण को 17 प्राथमिकता वाले कार्यों में से एक के रूप में पहचाना है और महत्वपूर्ण उपायों के तौर पर एक राष्ट्रीय आर्द्रभूमि मिशन और एक राष्ट्रीय आर्द्रभूमि जैव विविधता रजिस्टर के गठन की परिकल्पना की है। नदी बेसिन प्रबंधन में आर्द्रभूमि के एकीकरण को नदी प्रणालियों के प्रबंधन से जुड़ी एक रणनीति के रूप में चिन्हित किया गया है। आर्द्रभूमि हमारे पानी को शुद्ध तथा जलस्रोतों को पुनर्जीवित करती हैं और अरबों लोगों के खाने के लिए मछली एवं चावल मुहैया कराती हैं।

इसकी महत्ता को समझते हुए, जलवायु परिवर्तन से संबंधित राष्ट्रीय कार्य–योजना ने राष्ट्रीय जल मिशन एवं हरित भारत मिशन में आर्द्रभूमि के संरक्षण और सतत प्रबंधन को शामिल किया है।

केन्द्र द्वारा अधिनियमित विभिन्न नियमों एवं विनियमों के तहत आर्द्रभूमि को संरक्षण प्राप्त है। भारतीय वन अधिनियम, 1927, वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 और भारतीय वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के विभिन्न प्रावधान वनों और नामित संरक्षित क्षेत्रों के भीतर स्थित आर्द्रभूमि से संबंधित नियामक ढांचे को परिभाषित करते हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 2017 में पर्यावरण (संरक्षण और प्रबंधन) नियमों को अधिसूचित किया। इन नियमों के प्रावधानों के अनुसार, राज्यों के भीतर मुख्य नीति और नियामक निकायों के रूप में राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरणों का गठन किया गया है।

इसके अलावा, ईपी अधिनियम के तहत, तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना (2018) तथा इसके संशोधनों और द्वीप संरक्षण क्षेत्र (आईपीजेड) अधिसूचना 2011 के तहत तटीय आर्द्रभूमि संरक्षित हैं। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 2020 में श्आर्द्रभूमि के कायाकल्पश्च को एक परिवर्तनकारी विचार के रूप में अपनाया। इस कार्यक्रम की संरचना एक चहुंमुखी दृष्टिकोण के इर्द–गिर्द की गई हैरू क) आधारभूत जानकारी विकसित करना; ख) आर्द्रभूमि स्वास्थ्य कार्ड के रूप में मापदंडों के एक सेट का उपयोग करके आर्द्रभूमि की स्थिति का त्वरित मूल्यांकन; ग) आर्द्रभूमि मित्र के रूप में हितधारक प्लेटफार्मों को सक्षम बनाना; और घ) प्रबंधन संबंधी योजना। तब से लेकर अब तक 500 से अधिक आर्द्रभूमि को कवर करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का विस्तार किया गया है।

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के हिस्से के रूप में और आर्द्रभूमि के संरक्षण में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि में आर्द्रभूमि मित्र पंजीकृत किए गए हैं और इन आर्द्रभूमि में महत्व और खतरे से संबंधित संकेतक स्थापित किए गए हैं। आर्द्रभूमि से संबंधित सभी प्रबंधकों और हितधारकों के उपयोग के लिए आर्द्रभूमि से जुड़े एक ज्ञान केन्द्र के रूप में एक राष्ट्रीय आर्द्रभूमि पोर्टल को विकसित किया गया है।

आर्द्रभूमि न केवल जैव विविधता के उच्च संकेन्द्रण में सहायता करती है, बल्कि भोजन, पानी, फाइबर, भूजल पुनर्भरण, जल शोधन, बाढ़ नियंत्रण, तूफान से बचाव, कटाव का नियंत्रण, कार्बन का भंडारण और जलवायु संबंधी विनियमन जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों एवं इकोलॉजी से जुड़े कार्यों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है। भारत सरकार आर्द्रभूमि संरक्षण को अत्यधिक महत्व देती है और विकास की योजना के निर्माण और निर्णय लेने के सभी स्तरों पर उनकी संपूर्ण उपयोगिता को मुख्यधारा में लाना चाहती है।

हार-जीत से बड़ा है सक्षम बनना

अमिताभ स.

श्सफलता और असफलता में से किसी एक का पलड़ा भारी नहीं है, क्योंकि सीखते हम दोनों से हैं।श्य कहना है, इसरो के पूर्व प्रमुख व जाने–माने वैज्ञानिक डॉ. के. सिवन का। सच है कि जीत या सफलता एक मनरूस्थिति है। लेकिन कुछ हासिल करना या किसी को परास्त करना, वास्तव में जीत कहां है? आप जैसे हैं, वैसे ही खुश हैं, यह सफलता के असल मायने हैं। बस खेलते रहना जीत से कम बड़ी बात नहीं है। जीतने या हारने से ज्यादा अहमियत सक्षम बनने की है। सयाने बताते हैं कि जिंदगी जीने की जो सीख खेल–खेल में मिलती है, वह किसी से नहीं मिलती। सुबह की सैर और जिम में कसरत सेहत जरूर दुरुस्त रखते हैं, लेकिन खेलों जैसा चौतरफा व्यक्तित्व निखार नहीं ला पाते। हारना सिखाना ही खेलों की बड़ी खूबी है। जबकि कोई हारना नहीं चाहता, न ही किसी को हारना आता है। स्कूली और गली–मोहल्लों के खेलों में तो बचपन ही गुजरता है कि हारते जाओ, फिर भी खेलते जाओ। कोई कितना हारे, खेलने के मौके कम नहीं होते। खेलों की भांति जिंदगी में भी तमाम चुनौतियों से दो–चार होना पड़ता है– कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं। जाने–माने उद्योगपति अज़ीम प्रेमजी बताते हैं, श्कोई सौ में से सौ दांव नहीं जीतता है। अपनी हार को भी सामान्य तौर पर लीजिए। हार के लिए खुद को सज़ा मत दीजिए। हार मानिए, अपने हिस्से की समस्या से सीखें और आगे बढ़िए।श्य और फिर, जीतने का इतना महत्व नहीं होता, जितना जीतने के लिए प्रयास करने का होता है।

एक दौड़ प्रतियोगिता में केन्या का एथलीट हाबिल मुताई भाषा की दिक्कत की वजह से श्दौड़ पूरी हो गईश्य लिखे मार्क को समापन बिंदु मान कर फिनिश लाइन से कुछ फुट पहले रुक गया। उसके पीछे आ रहे स्पेनिश एथलीट इवान फर्नांडीज ने चिल्लाकर उसे रेस जारी रखने को कहा। लेकिन मुताई को स्पेनिश में कहा समझ नहीं आया। स्पेनिश एथलीट ने आव देखा न ताव, उसे जीतने के लिए इतनी जोर से धक्का दे मारा, ताकि वह फिनिश लाइन पार कर जाए। ऐसा करके इवान खुद हार कर भी जीत गया। ज़ाहिर होता है कि जीतने की इच्छा रखना, लेकिन जरूरत पड़े, तो हारने के लिए तैयार रहना, अपनी जीत और हार को शालीनता से सम्भालना– यही खूबियां हैं, जो खेल से किसी इंसान के अंदर आती हैं, आनी चाहिए। सद्गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं, श्जो हमारे साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, वे हमारे दुश्मन नहीं होते। ये लोग हमें खुद की कमियों को याद दिलाते रहते हैं। साथ ही, हमारी गुणवत्ता को कायम रखते हैं।श्य हर मैच को जीतना सही गोल या लक्ष्य नहीं होना चाहिए। हर खेल जीतना ही मकसद होगा, तो हार से आत्मविश्वास डगमगा जाएगा। इसलिए बेहतरीन खेलना ही हर खिलाड़ी का मकसद होता है। तय है कि खेल–खेल कर सीखने वाला कभी नहीं हारता।

ज़िंदगी के भी हर मोर्चे पर बेशक हारते जाएं, लेकिन मन से कभी नहीं हारना चाहिए। और अगर कोई विजेता बनना चाहे, तो उसे पहले विनम्र, प्रेममय, शांतिमय और आनंदमय इंसान बनना होगा। शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद इस हद तक लिखते हैं, श्जीतना आसान है। कठिन तो उसके बाद का दौर है। हार प्रयोग करने की प्रेरणा देती है। जीत इस राह पर चलने की प्रेरणा दे ही नहीं सकती। हरेक का हर परफ़ॉर्मेंस जीत–हार और सफलता–असफलता के दो स्तम्भों के बीच झूलता है।श्य खोने और पाने का सिलसिला हरेक के साथ ताउम्र जारी रहना चाहिए। आप कर सकते हैं, मन में यह विश्वास हो, तो आधी जीत मिल जाती है।

इसीलिए माना जाता है कि जिंदगी किसी खेल या परीक्षा की तरह जोखिम से भरी है। कोई इसे पहेली कहता है, कोई इम्तिहान, तो कोई मौका। जो बीत गया, उसे हरगिज दुरुस्त नहीं किया जा सकता, लेकिन आने वाले दौर का निर्माण किया जा सकता है। हार या फेल का रोना भूल कर और खुद पर यकीन कर हर इंसान अपने लक्ष्य के काफी समीप पहुंच सकता है। क्योंकि हर इंसान अपनी किस्मत खुद रचता है। जब किस्मत रचने में असफल होता है, तब वह नियति बन जाती है। जाने–माने कार उत्पादक हेनरी फोर्ड ने एक दफा कहा था, श्सफल शख्स का राज़ यही है कि वह अपनी मंजिल पाने के लिए क्या जरूरी है, यह जान जाता है और उस पर अमल करता है। बचपन में स्कूली पाठ्य पुस्तक में पढ़ी कथाकार सुदर्शन की कालजयी कहानी श्हार की जीतश्य जीवन भर याद रहती है। कहानी संदेश देती है कि मन छोटा किए बगैर मेहनत और साफ़ नीयत की बदौलत हार भी जीत में तब्दील हो सकती है। बड़े कमाल की बात है कि ऑस्ट्रेलिया की सेना की कोर टीम में भर्ती के लिए विजेताओं की बजाय हारे फौजियों को प्राथमिकता दी जाती है। आविष्कारक थॉमस एडिसन की राय में, श्कतई मत कहिए कि मैं 99 दफा हारा हूं। बल्कि कहें कि मैंने हारने की 99 वजहें ढूंढ़ी हैं।श्य और फिर उन्हीं वजहों को पार करते–करते जीत की राह खुलती है। उधर उद्योगपति रतन टाटा भी मानते हैं कि तुम्हारी नाकामी सिर्फ तुम्हारी है, तुम्हारी पराजय सिर्फ तुम्हारी है। किसी को दोष देने की बजाय, गलती से सीखो और आगे बढ़ते जाओ। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शब्द यही संदेश देते हैं– छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। निरंतर थोड़ा–थोड़ा आगे बढ़ते रहना ही जीत समझिए।

अर्धसैनिक बल के साथ शक्ति नगर पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

विधानसभा चुनाव में लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने हेतु पुलिस का फ्लैग मार्च

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। विधानसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने व आमजन के मन में कानून व्यवस्था का अहसास कराने के लिए एरिया डोमिनेशन के तहत बुधवार को पुलिस व अर्द्धसैनिक बल के जवानों ने शक्तिनगर थाना क्षेत्र के प्रमुख बाजार एवं गांवों में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व स्थानीय थाना प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश कुमार मिश्र व केंद्रीय रिजर्व बल कंपनी द्वारा किया। मंगलवार को जब शक्तिनगर थाने से शुरू हुए अर्धसैनिक बलों के फ्लैग मार्च देखकर पहले तो लोग सहम गए लेकिन जब उन्हें पता चला मार्च किया जा रहा है तो लोगों ने राहत की सांस ली। अर्धसैनिक बल के साथ शक्तिनगर पुलिस ने चिल्काडाँड़, बस स्टैंड बाजार, कोटा बस्ती, आदि क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया।

बैलेट पेपर से संबधित समस्त तैयारियां पूर्ण- सी0पी0सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को सकुशल, निष्पक्ष, स्वतन्त्र एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न कराये जाने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट दीपक मीणा की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी मतदान कार्मिक पुलकित गर्ग, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) उमाशंकर एवं समस्त नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि सभी अधिकारियों के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। यदि आचार संहिता का उल्लंघन किसी भी प्रकार से होता पाया जाये तो

आयोग के निर्देशों के अनुसार संबंधित के विरूद्ध अनुशासनिक कार्यवाही अमल में लायी जाये। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा पोस्टल बैलेट के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। जिला कृषि अधिकारी सी0पी0सिंह ने जानकारी देते हुए हुए बताया बैलेट पेपर से संबधित समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। ए0आर0टी0ओ0 से गाड़ियों के अधिग्रहण के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी। ए0आर0टी0ओ0 ने जानकारी देते हुए बताया कि गाड़ियों के अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण हो गयी है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने आब्जर्बर को देने हेतु चेक लिस्ट तैयार करने का निर्देश दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रशिक्षण स्थल पर पीने के पानी, शौचालय आदि की व्यवस्था होनी चाहिए तथा कोविड–19 प्रोटोकाल का पालन भी करे। प्रशिक्षण के दौरान ई0वी0एम0 तथा वी0वी0पैट मशीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बूथो की बेबकास्टिंग हेतु समस्त तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिला मजिस्ट्रेट ने यह भी निर्देश दिये है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सभी अधिकारी गण चुनाव के सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्ष होकर संपन्न करेंगे। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त समस्त उपजिलाधिकारी, पी0डी0 सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, वरिष्ठ कोषाधिकारी विनोद कुमार, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी तन्मय, जिला पंचायत राज अधिकारी आदर्श, जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, जिला दिव्यांग जनसशक्तीकरण अधिकारी एजाजुल हक, जिला कृषि अधिकारी सी0पी0सिंह, तथा अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

थाना रायपुर पुलिस द्वारा दुष्कर्म के आरोपी ०१ नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। थाना रायपुर पर प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0–10/2022 धारा–376 (3),120इ प्व व 3/4 पॉक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। उक्त घटना में संलिप्त अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अमरेन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में थाना रायपुर पुलिस की एक संयुक्त टीम गठित की गयी। इस टीम द्वारा अपना आसूचना संजाल तैयार कर मुखबीर की सूचना पर अभियोग उपरोक्त में नामजद अभियुक्त रामेश्वर यादव पुत्र रामजग निवासी पड़री थाना रायपुर सोनभद्र के उसके घर से समय प्रातः करीब 6.20 बजे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया।

विधानसभा चुनाव में विशेष बरतनी चाहिए सावधानी- शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश
उसका/सिद्धार्थनगर। पंचायत चुनाव में कोरोना की महामारी के कारण प्रदेश भर के शिक्षक व कर्मचारी इसकी चपेट में आए। सैकड़ों की संख्या में इनकी असामयिक मृत्यु हो गई। इन्हीं परिस्थितियों के दृष्टिगत जिला प्रशासन को विधानसभा निर्वाचन में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। यह मांग शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने बुधवार को अपने

तेतरी स्थित निवास पर आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी से की। कहा कि पंचायत चुनाव में फ्रंट लाइन पर कार्य करने वाले बेसिक के 1670, माध्यमिक के 839 शिक्षक व लगभग इतनी ही संख्या में कर्मचारियों का असामयिक निधन कोविड का टीका नही लगने के कारण हुआ था। कहा कि निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिया है कि बिना बूस्टर डोज लगे किसी भी कर्मी को निर्वाचन कार्य में न लगाया जाए। ऐसे में जिला प्रशासन भी यह सुनिश्चित कर ले कि सबको कोविड के सभी टीके लगे हों। उन्होंने बिना टीका लगे कर्मियों से निर्वाचन कार्य कदापि न कराने की मांग की है। निर्वाचन प्रशिक्षण में आने वाले कर्मियों को कोविड नियमों के तहत ही प्रतिभाग कराए जाने, अलग अलग प्रशिक्षण के लिए जिला मुख्यालय स्थित कई ऐसे विद्यालय हैं जो इस हेतु उपयुक्त हैं उनको भी प्रशिक्षण केंद्र बनाए जाने की मांग की है। उन्होंने दिव्यांग, गंभीर बीमार, प्रसूतावकाश व गर्भवती महिलाओं को चुनाव कार्य से छूट की भी मांग की है।

वर्चुवल सभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था कार्यक्रम को संबोधित किया

बांसी तिलक इंटर कालेज के प्रांगण में आयोजित हुआ वर्चुवल सभा

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। बांसी तिलक इंटर कालेज के प्रांगण में वर्चुवल सभा में हम सबके लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था कार्यक्रम को संबोधित किया। यह कार्यक्रम बजट 2022–23 पर आधारित था। आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था कार्यक्रम के तहत पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को बजट की बड़ी बातें समझाईं। पीएम मोदी ने कहा, कल निर्मला ने बहुत ही खूबसूरती से, बहुत ही अच्छे ढंग से बजट के कुछ पहलुओं को हमारे सामने रखा है। बजट स्पीच में पूरा बजट संभव नहीं होता है क्योंकि बजट में बहुत बड़ा दस्तावेज होता है, बारीकियां होती हैं और सदन में ये सब बोलना संभव भी नहीं होता है। इस समय 100 साल में आई सबसे बड़ी वैश्विक महामारी से देश लड़ रहा है। कोरोना का ये कालखंड दुनिया के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आया है। दुनिया उस चौराहे पर आकर खड़ी हो गई है, जहां टर्निंग प्वाइंट निश्चित है। आगे जो दुनिया जो हम देखने वाले हैं, वो वैसी नहीं होगी, जैसी कोरोना से पहले थी। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी राजा जय प्रताप सिंह के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता इस वर्चुअल सभा में जुड़े। मुख्य रूप से बांसी विधानसभा के प्रभारी सेतभान राय प्रवासी प्रभारी विपिन सिंह कुमकुम देवी अजय यादव अजय श्रीवास्तव आनंद मणि त्रिपाठी विष्णु जयसवाल उमेश पांडे प्रभाकर राय मंगल चौरसिया विश्वनाथ पांडे दिवाकर मिश्रा संजय श्रीवास्तव रविंदर चौरसिया सुभाष मिश्रा अजय राय विधानसभा प्रभारी प्रभारी राणा प्रताप सिंह अनुपमा सिंह प्रोफेसर कालिका प्रसाद त्रिपाठी विश्वनाथ पांडे जगदंबा मिश्रा ऋषि श्रीवास्तव जगजीवन गॉड जी शैलेंद्र दुबे संदीप पांडे चंद्रिका प्रसाद मिश्रा छोटू सिंह शुभम पाठक बलराम कुलश्रेष्ठ निखिल सिंह नंदलाल चौबे हरगोविंद साहू चंद्रबली गुप्ता परमहंस यादव मनीष शर्मा विजय तिवारी देवेंद्र मिश्रा बद्री विशाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और प्रभाष्कर राय मीडिया प्रभारी, 304 विधानसभा बांसी/जिला कार्यसमिति सदस्य भारतीय जनता पार्टी उपस्थित रहे।

इंटर कालेज के प्रांगण में वर्चुवल सभा में हम सबके लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था कार्यक्रम को संबोधित किया। यह कार्यक्रम बजट 2022–23 पर आधारित था। आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था कार्यक्रम के तहत पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को बजट की बड़ी बातें समझाईं। पीएम मोदी ने कहा, कल निर्मला ने बहुत ही खूबसूरती से, बहुत ही अच्छे ढंग से बजट के कुछ पहलुओं को हमारे सामने रखा है। बजट स्पीच में पूरा बजट संभव नहीं होता है क्योंकि बजट में बहुत बड़ा दस्तावेज होता है, बारीकियां होती हैं और सदन में ये सब बोलना संभव भी नहीं होता है। इस समय 100 साल में आई सबसे बड़ी वैश्विक महामारी से देश लड़ रहा है। कोरोना का ये कालखंड दुनिया के लिए अनेक चुनौतियां लेकर आया है। दुनिया उस चौराहे पर आकर खड़ी हो गई है, जहां टर्निंग प्वाइंट निश्चित है। आगे जो दुनिया जो हम देखने वाले हैं, वो वैसी नहीं होगी, जैसी कोरोना से पहले थी। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी से प्रत्याशी राजा जय प्रताप सिंह के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता इस वर्चुअल सभा में जुड़े। मुख्य रूप से बांसी विधानसभा के प्रभारी सेतभान राय प्रवासी प्रभारी विपिन सिंह कुमकुम देवी अजय यादव अजय श्रीवास्तव आनंद मणि त्रिपाठी विष्णु जयसवाल उमेश पांडे प्रभाकर राय मंगल चौरसिया विश्वनाथ पांडे दिवाकर मिश्रा संजय श्रीवास्तव रविंदर चौरसिया सुभाष मिश्रा अजय राय विधानसभा प्रभारी प्रभारी राणा प्रताप सिंह अनुपमा सिंह प्रोफेसर कालिका प्रसाद त्रिपाठी विश्वनाथ पांडे जगदंबा मिश्रा ऋषि श्रीवास्तव जगजीवन गॉड जी शैलेंद्र दुबे संदीप पांडे चंद्रिका प्रसाद मिश्रा छोटू सिंह शुभम पाठक बलराम कुलश्रेष्ठ निखिल सिंह नंदलाल चौबे हरगोविंद साहू चंद्रबली गुप्ता परमहंस यादव मनीष शर्मा विजय तिवारी देवेंद्र मिश्रा बद्री विशाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और प्रभाष्कर राय मीडिया प्रभारी, 304 विधानसभा बांसी/जिला कार्यसमिति सदस्य भारतीय जनता पार्टी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया वार्षिक निरीक्षण, सम्बन्धित को दिशा निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। पुलिस उपमहानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक, सोनभद्र द्वारा थाना पन्नूगंज का वार्षिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान सर्वप्रथम गार्द की सलामी लेते हुए सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, हवालात, मालखाना, कंप्यूटर कक्ष, मेस, बैरक आदि का निरीक्षण किया गया तथा थाना परिसर, बैरक, मेस, आर0ओ0 इत्यादि को साफ व स्वच्छ रखने एवं कार्यालय के अभिलेखों को अद्यावधिक कर बेहतर ढ़ग से व्यवस्थित रखने, थाने के असलहों की नियमित साफ–सफाई करने हेतु प्रभारी निरीक्षक पन्नूगंज को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया। साथ ही थाने पर दाखिल विभिन्न अभियोगों से संबंधित माल/वाहनों के संबंध में निर्णयोपरांत नियमानुसार करने, कोविड गाइडलाइन का पालन कराने, अराजक तत्वों पर प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई करने, नियमित रुप से काम्बिंग करने, थाने पर आने वाले पीड़ित/शिकायतकर्ता के प्रार्थना–पत्रों को रजिस्टर में क्रमबद्ध तरीके से अंकित कर उसकी शत–प्रतिशत सुनवाई करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई करने के सम्बन्ध में भी आवश्यक निर्देश दिए गये।

विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने एवं आगामी विधान सभा चुनाव के दृष्टिगत क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर आमजन इस दौरान, प्रभारी निरीक्षक पन्नूगंज राजेश सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

बांसी क्षेत्र मे पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक जनपद सिद्धार्थनगर डा0 यशवीर सिंह के आदेश के अनुक्रम में, सुरेश चन्द रावत अपर पुलिस अधीक्षक जनपद सिद्धार्थनगर के निर्देशन तथा देवी गुलाम क्षेत्राधिकारी बांसी जनपद सिद्धार्थनगर के कुशल पर्यवेक्षण में आज दिनांक 02.02.2022 को संजय कुमार मिश्र प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली बांसी जनपद सिद्धार्थनगर एवं ए.एस.आई जी.डी. राकेश कुमार, 44वीं बटालियन एस.एस.बीं., 703/सी। कम्पनी के साथ आगामी विधान सभा निर्वाचन 2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु थाना कोतवाली बांसी जनपद सिद्धार्थनगर में एरिया डामिनेशन किया गया। जिसके अन्तर्गत सोनखर, गुलहरिया राजा, पटखौली, मंगल बाजार, भटौली, मिश्रीत आबादी वाले क्षेत्र ग्राम मिश्रौलिया, पठानपुरवा, तेलौरा बाजार तथा कस्बा बांसी स्थित नरकटहा आदि स्थानो पर एरिया डामिनेशन किया गया।

सहायक अध्यापक के उमर लगा छेडखानी का आरोप बना जांच का विषय

दो महीने से पीडित मांग रही है न्याय लेकिन नहीं मिल रहा है न्याय दर दर भटक रही है पीडिता

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश
उसका/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र उसका बजार के एक इन्टर कलेज में सहायक अध्यापक पद पर तैनात, उसी विद्यालय में काम कर ने वाली एक रसोइया ने छेडखानी का आरोप लगाई है। वह आरोप लगाते हुए बोली कि अध्यापक विडियो बना रहे थे और मना करने के बाद अभद्रता से पेश आने लगे और अश्वलील हरकते भी करने लगे तभी किसी तरह से भागना पडा। पीडित महिला ने बताया इसके पहले भी अध्यापक द्वारा नवम्बर महीने में भी ऐसी हरकत कर चुके हैं और थाने पर तहरीर दिया गया है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं किया गया कहीं सुनवाई नहीं हो रही है थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताएँ कि मामला संज्ञान में आया है और शिक्षक और महिला दोनों के तरफ से आरोप लगाया गया है मामले की जांच की जा रही दोषी मिलने पर उचित कार्यवाही की जायेगी।

25 लाख रुपये की हेरोइन के साथ सोनौली का युवक गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनौली/नौतनवां। 25 लाख रुपये की हेरोइन के साथ सोनौली का युवक गिरफ्तार भारत–नेपाल सोनौली कस्बे के पगडंडी मार्ग के पास सोनौली पुलिस और एसएसबी ने गश्त के दौरान एक युवक के पास से 25 लाख रुपए की मादक पदार्थ हेरोइन बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार की सुबह चौकी प्रभारी स्वतंत्र कुमार सिंह अपने हमराही सिपाहियों और एसएसबी जवानों के साथ सरहद के निकट पगडंडी मार्गो पर गश्त कर रहे थे। इस दौरान एसएसबी रोड के पास एक संदिग्ध युवक को पुलिस को देखकर नेपाल की तरफ भागने लगा। जिसे एसएसबी के जवानो ने दौड़ा कर पकड़ लिया और जब उसकी जाच किया तो जेब में छिपा कर रखा गया 25 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया। कोतवाल सोनौली संजय सिंह ने बताया कि पकड़े गए युवक शाहआलम पुत्र इस्लाम अंसारी निवासी ग्राम सभा सिमालीपुर थाना सोनौली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया गया है।

थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा 1.5 किग्रा गांजा के साथ 01 नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक अमरेन्द्र प्रसाद सिंह के कुशल निर्देशन मे जनपद मे अवैध मादक पदार्थ तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने व उसमे संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान में आज दिनांक 02.02.2022 को थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान समय करीब प्रातः 07.40 बजे दुद्धीचुआ पुलिया के पास से 01 नफर अभियुक्त पप्पू पटेल पुत्र लक्षनधारी पटेल निवासी काली मंदिर बस स्टैण्ड थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1.5 किग्रा गांजा बरामद किया गया तथा उपरोक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

प्रशासन ने शतप्रतिशत मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित कराने की शुरु की मुहिम

संवाददाता

बहराइच । विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 में शतप्रतिशत मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता (स्वीप) कार्यक्रम अन्तर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना व अपर जिलाधिकारी मनोज की ओर निमंत्रण पत्र तैयार किया गया है। निमंत्रण–पत्र के माध्यम से जिले के सम्मानित मतदाताओं से अपील की गयी है कि लोकतंत्र के महापर्व के अवसर पर 27 फरवरी 2022 को सभी मतदाता अपने–अपने मतदान केन्द्रों पर पहुँचकर मताधिकार का प्रयोग करें। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 हेतु जनपद में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान का लक्ष्य तय किया गया है। डीएम डॉ. चन्द्र ने कहा कि उन्हें आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि कोविड वैक्सीनेशन अभियान में जनपदवासियों द्वारा जिस सजगता और प्रतिबद्धता दिखायी गयी है ठीक उसी तरह से सभी मतदाता पूरे उत्साह के साथ टीका के डबल डोज़ सुरक्षा कवच के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

जिलाधिकारी डॉ. चन्द्र ने जनपदवासियों से अपील की है कि आप लोग 27 फरवरी 2022 को स्वयं मतदान करें और दूसरे लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि मतदाता जागरूकता सन्देश गॉव–गॉव पहुँचाया जाये ताकि 27 फरवरी 2022 को मतदान के क्षेत्र में नये आयाम स्थापित हो सकें। डॉ. चन्द्र ने लोगों से अपील की है कि लोकतंत्र के महापर्व ''मतदान दिवस'' के अवसर पर बिना किसी डर, भय व लालच के अपने मताधिकार का स्वयं प्रयोग करें और दूसरे मतदाताओं को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें। डीएम डॉ. चन्द्र ने लोगो से अपील की कि सभी लोग जागरूक और साक्षर मतदाता बने। उन्होंने कहा कि इसका आशय यह है कि जिस प्रकार हम सभी को अपने तथा अपने परिवार से सम्बन्धित बहुत सी जानकारियॉ कन्ठस्थ रहती है उसी प्रकार से हमें मतदेय स्थल एवं मतदान की तिथि भी कन्ठस्थ होनी चाहिए। मतदाता सूची में नाम, क्रमांक, ताकि हम भी जागरूक और साक्षर मतदाता कहलायें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल रैली के जरिए देश को सम्बोधित किया

संवाददाता

बहराइच। आज भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल रैली में संबोधित करते हुए कहा कि वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के बजट को अच्छे बजट के लिए सराहना की। उपरोक्त जानकारी देते हुए देवेंद्र कुमार मिश्र जिला मीडिया प्रभारी भारतीय जनता पार्टी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने कहा की बजट का बहुत बड़ा कार्य होता है। जिसको 1 घंटे में बता पाना बड़ा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि आज आजादी के 75 वें वर्ष पर अमृत महोत्सव के अवसर पर कोरोना कालखंड में अनेक चुनौतियों को लेकर आया है ।हम जो दुनिया को दिखाना चाहते हैं वह कोरोना के बाद बहुत बदला बदला देखने को मिलेगा। आज भारत जैसे लोकतांत्रिक देश को देखने का नजरिया बदल रहा है। पूरा विश्व भारत को बदलते देख रहा है। तो हमारा भी कर्तव्य बनता है कि भारत आत्मनिर्भर बने और एक आधुनिक भारत का निर्माण हो। उन्होंने कहा आज हमारा देश व्यापार में काफी आगे हैं तथा विदेशी मुद्रा काफी मात्रा में अपने पास है। उन्होंने जल पर चर्चा करते हुए कहा कि जल ही जीवन है। आज 90 करोड़ घरों में गांव में पानी पहुंच रहा है। इस साल लगभग चार करोड़ ग्रामीण घरों में पाइप से पानी दिया जाएगा। जिससे माता बहनों को पानी के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। पानी के लिए विभिन्न नदियों को जोड़ा जाएगा। केन और बेतवा योजना किसान के जीवन में परिवर्तन लाएगा। बुंदेलखंड के क्षेत्र में हरियाली आएगी । उन्होंने कहा गरीबों का अपना एक सपना घर बनाने का होता है। इस साल 80लाख गरीब को आवास दिया जाएगा। उन्होंने जनधन की चर्चा करते हुए कहा कि पिछले 7 सालों में 7 करोड लोगों को घर दिया है ।प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने महिलाओं को घर की मालकिन भी बनाया है। गरीबो के लिए शिक्षा बिजली पानी के लिए आकांक्षी जिलों को घोषित करके आकांक्षी ब्लॉक घोषित किया जाएगा। जिससे उनकी जरूरी सुविधाएं उनके घर तक पहुंचे। सरकार का ध्येय है कि सीमावर्ती गांवों को विकास के लिए आगे लाया जायगा। ऐसे गांव में बिजली पानी आवासीय चिकित्सा की पूर्ण व्यवस्था की जाएगी। जिससे पर्यटन की दृष्टि से भी उसका विकास हो सके और पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि गांव के विद्यालयों में एन सी सी पाठ्यक्रम को लागू किया जाएगा। जिससे वहां के नौजवान सेना में आकर के देश की सेवा कर सके । उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा किसान समृद्ध साली हो इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रयोग करना होगा। बंगाल प्रदेश का उदाहरण देते हुए बताया कि 10 किलोमीटर लंबा और 5 किलोमीटर चौड़ा नेचुरल फार्मिंग की योजना का शुभारंभ किया गया है। इसके बाद संपूर्ण देश के राज्यों में यह योजना लागू करके कृषि को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में खाद्य तेल 80 हजार करोड़ का विदेशों से आयात किया जाता है। इसके लिए अन्नदाताओं को आत्मनिर्भर बनाना होगा। इसके लिए किसानों का कर्ज माफ किया गया है। जिससे किसानों का उत्पादन लागत ना बढ़े। किसानों को 68000 हजार करोड रुपए किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत दिया जाएगा। इससे 11 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा भाजपा युवाओं की आकांक्षाओ को समझती है। बजट में जो व्यवस्था की गई है वह युवाओं को प्रेरित करने योग्य है। उन्होंने कहा शीघ्र ही देश में इंटरनेट की सस्ती सुविधा उपलब्ध होगी। जिससे किसानों को भी लाभ मिलेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर पर उन्होंने कहा 70 सालों में 90हजार किलोमीटर की सड़के बनी थी। हमने 7 वर्षों में 50हजार किलोमीटर सड़कें और बनवाए हैं और प्रतिवर्ष 1हजार किलोमीटर सड़कें बनवाने का लक्ष्य रखा गया है। जिससे किसानों को अपना उत्पादन कहीं भी ले जाकर बेचकर लाभ प्राप्त कर सकेगा। प्रधानमंत्री ने शहरी विकास का जिक्र करते हुए कहा कि बाबासाहेब अम्बेडकर शहरी विकास के पक्षधर थे। शहरों के विकास के लिए अच्छे सड़कों का निर्माण और हरित क्रांति को बढ़ावा देकर प्रदूषण मुक्त शहर को विकसित करने की योजना रचना सरकार द्वारा बनाई जा रही है। इलेक्ट्रिक बस बैटरी चालक वाहनों का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग होगा। उन्होंने उद्योगपतियों के सामने आ रही आयकर के समस्याओं को लेकर कहा कि अगर किसी को आयकर भरने में कोई गलती हो जाती है तो उसको 2 वर्षों मैं सुधार करने का अवसर प्राप्त होगा। जिसमें किसी प्रकार की कोई कोई कठिनाई नहीं होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता जनार्दन हमारी क्रियाकलापों को आसानी से समझती है। मुझ पर जिस प्रकार से देश की जनता विश्वास करती है। उसी प्रकार हमारे कार्यकर्ता हम पर विश्वास करेंगे और देश को परम वैभव की ओर अग्रसर करेंगे। जिला मीडिया प्रभारी भाजपा ने बताया कि ,प्रधानमंत्री के इस वर्चुअल रैली को जनपद बहराइच के सभी 7 विधानसभाओं में बहुत ही बृहद रूप से देखने व सुनने के लिए पदाधिकारियो, जिला अध्यक्ष भाजपा श्यामकरन टेकड़ीवाल, नानपारा विधान सभा मे बहराइच में सी के लान में कैसरगंज विधान सभा क्रीम बेहड में महसी विधान सभा चाँदपरा गांव में बलहा विधान सभा ज्ञान सागर इंटर कालेज में मटेरा विधान सभा तिलक इंटर कालेज में विधान सभा पयागपुर राधे राधे अतिथि गृह में कार्यक्रम संम्पन्न हुआ।कार्यक्रम केजील संयोजक जिला उपाध्यक्ष भाजपा रण विजय सिंह थे । इस कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं व आम जनमानस कार्यक्रम स्थल पर हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। पार्टी द्वारा एलईडी केन सभी विधानसभाओं में लगा कर इस कार्यक्रम को प्रसारित किया गया है।

आम आदमी की चिंता को जीवन दर्शन बनाने वाले विचारक बी.एन. मण्डल

भूपेंद्र नारायण मंडल का जन्म 1 फरवरी सन 1904 ई. में बिहार राज्य के मधेपुरा जिलांतर्गत रानीपट्टी गांव में हुआ था, पिता जय नारायण मंडल एक सामंत थे घर खुशहाल था किसी प्रकार की कोई कमी नहीं थी यही कारण था कि बालक भूपेंद्र को उस समय भी अच्छी एवं उच्च शिक्षा हासिल करने का अवसर प्राप्त हुआ। भूपेंद्र बाबू जब पढ़ाई लिखाई कर रहे थे तभी सन 1921 में महात्मा गांधी ने देश के युवाओं का आह्वान किया और अंग्रेजो के खिलाफ असहयोग आंदोलन छेड़ दिया; भूपेंद्र बाबू ने पढ़ाई छोड़ दिया और गांधी जी के साथ असहयोग आंदोलन में कूद पड़े, इसके बाद भी वे पटना कॉलेज से कानून की पढ़ाई करते हैं किंतु 1921 के बाद से ही उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत हो गई थी। गांधी जी से वे बहुत प्रभावित थे किंतु गांधी जी को उन्होंने पूर्णता नहीं अपनाया था आगे चलकर वे गांधी से अनेक दृष्टि में अलग हो जाते हैं इसका एक बड़ा कारण रूसी क्रांति थी। सन 1917 ई. में रूसी क्रांति घटित हुई, तब भूपेंद्र बाबू के व्यक्तित्व और विचार में एक क्रांतिकारी परिवर्तन हुआ।

उन्होंने मार्क्सवाद का गहन अध्ययन किया और उसकी ओर उन्मुख हुए। यहीं से उनका रुख समाजवाद की ओर होता है। आमतौर पर देखा जाता है कि भारत में ज्यादातर विचारक ऐसे होते हैं जो जन आंदोलन तो करते हैं, देश के लिए काफी काम भी करते हैं किंतु जहां से जिस धुरी से देश वस्तुतरू हर प्रकार की समस्याओं से मुक्ति पाएगा वह काम नहीं कर पाते; उदाहरण के लिए महात्मा गांधी को ही ले लिया जाएज! उन्होंने देश की आजादी दिलाने में अपना अहम् योगदान दिया किंतु वर्ण व्यवस्था को वे नहीं छोड़ पाये। उस वर्ण व्यवस्था को वे नहीं छोड़ पाये, जिससे हजारों साल से देश की प्रगति बाधित; अनेकानेक भेदभाव जिसकी कोख से जन्म ले चुके हैं। भारत में गांधी इस मामले में कोई अपवाद नहीं हैं। किंतु भूपेंद्र बाबू जरूर अपवाद हैं, जिन्होंने जात–पात, ऊंच–नीच के भेदभाव को तिलांजलि देकर आम आदमी की मूल चिंता को अपना जीवन दर्शन बनाया और जीवन पर्यंत उस चिंता को समाप्त करने में लगे रहे। सन 1942 ई. के बाद उन्होंने भारतीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। महंगाई, कृषि नीति, उद्योग नीति, रेलवे, अफसरशाही , और सांप्रदायिकता इत्यादि शायद ही कोई छोटा से छोटा विषय रहा होगा जिस पर वे संसद भवन में ना बोले हों उनके प्रत्येक वक्तव्य में आम आदमी की चिंता झलकती है। भारत एक ऐसा देश है जहां व्यक्ति पूजा परंपरा में थी और यही व्यक्ति पूजा समय–समय पर देश को गर्त में ले जाने का कारण भी थी। भूपेंद्र बाबू कहते हैं जनतंत्र में अगर कोई पार्टी या व्यक्ति यह समझे कि वही जब तक शासन में रहेगा तब तक संसार में उजाला रहेगा, वह गया तो संसार में अंधेरा हो जाएगा, इस ढंग की मनोवृत्ति रखने वाला चाहे वह व्यक्ति हो या पार्टी हो, देश को रसातल में पहुंचाएगा।

भूपेंद्र बाबू की मूल चिंता आम आदमी की थी। वे संसद में जब भी बोलते खुले तौर पर साहस के साथ अपनी बात रखते थे, उनको देश के अभिजात्य–ब्राह्मणवादी वर्ग , जिसने देश को आगे जाने से हमेशा रोका तरह–तरह के भेदभाव किये और आज भी ऊंच–नीच गरीब–अमीर जात–पात इत्यादि के चंगुल में बांध कर रखना चाहता है; से उनको बड़ी परेशानी थी। वे सारा सामाजिक भेदभाव समाप्त कर देना चाहते थे और चाहते थे कि जो हजारों सालों से बहिष्कृत हैं वे शासन में आएं सत्ता में उनकी समुचित भागीदारी हो उनको स्थान दिया जाए 8 अगस्त सन् 1972 ई. को राज्यसभा में वे कहते हैं दृ शासन में हर तरह के लोगों को लाओ उनलोगों को लाओ जिन लोगों के ऊपर हजारों वर्ष से शोषण और शासन हुआ है, अब जरूरत ऐसे लोगों की है, वे लोग अब शासन में आएं। आज डेमोक्रेसी है डेमोक्रेसी का मतलब है कि एक–एक यूनिट स्वतंत्र है भूपेंद्र बाबू एक ऐसा भारत बनाना चाहते थे जिसमें शिक्षा हो, तर्क वितर्क हो, समाज की प्रत्येक इकाई स्वतंत्र हो, बराबरी हो जो अपने हक और अधिकारों के लिए लडना जानता हो तथा मानवता को वैश्विक पटल पर स्थापित कर सकता हो। उन्होंने बिहार में लोगों के विरोध के बावजूद मधेपुरा में टी पी. कॉलेज की स्थापना की और प्रायोगिक तौर पर कर दिखाया कि शिक्षा में कितनी क्षमता । समाज की प्रगति में जो भी बाधक लगा उन्होंने उसे खुले तौर पर फटकारा। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रवेश को देखकर उन्होंने कहा था दृ बनारस हिंदू विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित परिसर में आरएसएस जैसे संगठन को जगह मिली हुई है इससे परिसर में समय–समय पर अशांति फैलती है और शैक्षणिक माहौल खराब हो जाता है। देश की भाषाई समस्या पर उनका बड़ा ही स्पष्ट विचार था वे चाहते थे कि देश की राष्ट्रभाषा कोई ऐसी भाषा हो जो भारत की हो। वे अंग्रेजी को देश से हटाना चाहते थे क्योंकि देश का आम आदमी अंग्रेजी में विचार–विनिमय नहीं करता। देश का आम आदमी अपनी भाषा में विचार– विनिमय करता है वह हिंदी के प्रति भी आग्रही नहीं थे, देश पर कोई एक भाषा थोपना नहीं चाहते थे किंतु मजबूती से चाहते थे कि भारत की राष्ट्रभाषा वह हो जो मूलतरू भारत की हो।

भूपेंद्र बाबू समाजवाद को केवल भाषणों एवं राजनीति तक सीमित नहीं रखते थे, बल्कि समाजवाद को स्वयं भी धारण किए हुए थे उन्होंने आम जनता के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष किया; जेल गये, चुनाव लड़ा, हारे जीते! काम किया। आम आदमी को उनका हक और अधिकार दिलाया किंतु इस दौरान उनके भीतर कभी भी किसी प्रकार की कोई पद लिप्सा नहीं दिखी उनकी इसी महानता पर मुक्त होकर डॉ. लोहिया कहते हैं– चाहे वह कोई संगठन हो, विचारधारा हो, कोई व्यक्ति हो मैं समाजवाद को सोचता हूं, ये समाजवाद को जीते हैं। इस प्रकार आज हम जिन समस्याओं से जूझ रहे हैं आधुनिक भारत के निर्माण में जिन जिन मूलभूत स्तंभों की आवश्यकता है उन पर भूपेंद्र बाबू लगभग 50 वर्ष पहले बोल चुके हैं; उनका हल कैसे निकलेगा यह बता चुके हैं, उनके दर्शन मे, उनकी बातों में हर समस्या का निदान है पुख़्ता निराकरण है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि जिस महान व्यक्तित्व ने देश के लिए संपूर्ण जीवन न्योछावर कर दिया, देश के आम आदमी के लिए संपूर्ण जीवन लगा दिया उससे 21वीं सदी के युवा परिचित नहीं है। बहुत कम लोग हैं जो इस देश में भूपेंद्र नारायण मंडल को जानते हैं और जो जानते भी हैं वे अपनी विचारधारा, जाति एवं राजनीतिक पूर्वाग्रहों के कारण उनको महत्व नहीं देते। मेरी जानकारी में भूपेंद्र नारायण मंडल पर केवल एक किताब दृ समाजवादी चिंतन के अमर साधक रू भूपेंद्र नारायण मंडल जो प्रो. शरदेन्दु कुमार ने लिखी है, जो मेरे इस आलेख की भी स्रोत है। शरदेन्दु कुमार पटना विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में प्रोफेसर रहे हैं दीपक प्रसाद जिनकी इस कार्य में महती भूमिका है। निश्चित तौर पर प्रोफेसर शरदेन्दु एवं दीपक प्रसाद जी धन्यवाद के पात्र हैं। इसी आशा के साथ कि यह कारवां ऐसे ही बढ़ता रहेगा, आज भूपेंद्र नारायण मंडल जी की जयंती के सुअवसर मैं ऐसे महान व्यक्तित्व को बारंबार नमन करता हूं।

निर्वाचन सामग्री मुद्रण के सम्बन्ध में दिशा निर्देश जारी

संवाददाता

बहराइच । निर्वाचन पैम्फलेटों, पोस्टरों आदि के मुद्रण पर प्रतिबन्ध के सम्बन्ध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार कोई व्यक्ति किसी ऐसे निर्वाचन पैम्फलेट अथवा पोस्टर का मुद्रण या प्रकाशन नहीं करेगा अथवा मुद्रित या प्रकाशित नहीं करवायेगा जिसके मुख्य पृष्ठ पर मुद्रक एवं इसके प्रकाशक का नाम व पता न लिखा हो। कोई भी व्यक्ति किसी निर्वाचन पैम्फलेट अथवा पोस्टर का मुद्रण नहीं करेगा या मुद्रित नहीं करवाएगा जब तक कि प्रकाशक की पहचान की घोषणा उनके द्वारा हस्ताक्षरित तथा दो व्यक्ति जो उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हों, द्वारा सत्यापित न हो तथा जिसे उनके द्वारा डुप्लीकेट में मुद्रक को न दिया जाए। दस्तावेज़ों के मुद्रण के पश्चात उचित समय पर मुद्रक द्वारा दस्तावेज़ की एक प्रति के साथ घोषणा की एक प्रति जिला मजिस्ट्रेट को भेजी जायेगी। कोई व्यक्ति जो उक्त का उल्लंघन करता है उसे छः महीने तक कारावास अथवा जुर्माना जिसे 02 हज़ार रूपये तक बढ़ाया जा सकता है अथवा दोनों से दण्डनीय होगा।

जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा जनपद के सभी मुद्रणालयों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी निर्वाचन पैम्फलेट या पोस्टर तथा प्रकाशक द्वारा मुद्रित ऐसी अन्य सामग्री पर मुद्रक तथा प्रकाशक के नाम व पते का स्पष्ट उल्लेख किया जाना अनिवार्य होगा। सभी प्रिन्टिंग प्रेसों को धारा 127 क (2) के तहत मुद्रण सामग्री मुद्रित होने के तीन दिनों के अन्दर मुद्रित प्रतियां (प्रत्येक मुद्रित सामग्री की तीन अतिरिक्त प्रतियों सहित) तथा प्रकाशक से प्राप्त घोषणा को उपलब्ध करायेंगे। डीएम डॉ. चन्द्र ने बताया कि धारा 127 (क) के प्रावधानों तथा आयोग के अनुदेशों के किसी भी प्रकार के उल्लंघन को गम्भीरता से लिया जायेगा और राज्य के संगत कानूनों के तहत कुछ मामलों में प्रिन्टिंग प्रेस के लाइसेंस का प्रतिसंहरण भी हो सकता है।

आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार किसी भी निर्वाचन पैम्फलेट या पोस्टर इत्यादि का काम शुरू करने से पूर्व मुद्रक आयोग द्वारा निर्धारित प्रारूप पर प्रकाशक से घोषणा प्राप्त करेगा। यह घोषणा प्रकाशक द्वारा विधिवत रूप से हस्ताक्षरित तथा उसे व्यक्तिगत तौर पर जानने वाले दो व्यक्तियों द्वारा अनुप्रमाणित की जाएगी। मुद्रक के लिए अनिवार्य होगा कि वह मुद्रित सामग्री तथा घोषणा के साथ प्रिन्टर कागज़ातों की प्रतियों की संख्या तथा मुद्रण के लिए वसूल की गई कीमत का ब्यौरा आयोग द्वारा निर्धारित प्रोफॉर्मा पर सूचना प्रस्तुत करेंगे। प्रत्येक निर्वाचन पैम्फलेट, पोस्टर इत्यादि दस्तावेज़ की प्रिन्टिंग के तीन दिनों के अन्दर उसके द्वारा मुद्रित किये गए हों, प्रिन्टर द्वारा इस प्रकार की सूचना न देकर अलग–अलग दी जायेगी।

किच्चा सुदीप और जैकलीन की विक्रांत रोणा की रिलीज टली

एजेंसी

कोरोना वायरस की महामारी का असर कई फिल्मों की रिलीज पर पड़ा है। हाल में कई फिल्मों की रिलीज डेट स्थगित हो चुकी है। अब इस महामारी के कारण साउथ स्टार किच्चा सुदीप और जैकलीन फर्नांडिस की फिल्म विक्रांत रोणा की रिलीज डेट टल गई है। फिल्म इस साल 24 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। मेकर्स ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए फिल्म की रिलीज को टालने का निर्णय लिया है।

फिल्म के अहम कलाकार निरुप भंडारी ने मेकर्स का आधिकारिक बयान शेयर किया है। निरुप ने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, नई रिलीज डेट के साथ विक्रांत रोणा आप सभी के बीच आएगी। आप सुरक्षित रहें। हाल में मेकर्स ने टीजर वीडियो जारी करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया था। अनाउंसमेंट वीडियो में सुदीप का लुक हॉलीवुड के किसी कलाकार की तरह उभरकर सामने आया था। फिल्म को पैन इंडिया लेवल पर बनाया गया है।

मेकर्स ने अपने बयान में कहा, 24 फरवरी को सिनेमाघरों में आप सभी से मिलने की हमारी इच्छा के बावजूद वर्तमान कोरोना के हालातों और प्रतिबंधों के कारण दुनियाभर में एक भव्य रिलीज के लिए माहौल अनुकूल नहीं हैं। हम समझते हैं कि प्रतीक्षा करना आपके लिए बोरिंग अनुभव हो सकता है, लेकिन हम वादा करते हैं कि फिल्म का अनुभव आपके धैर्य के योग्य होगा। जल्द फिल्म की नई रिलीज डेट घोषित होगी।

विक्रांत रोणा को पिछले साल 19 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था, लेकिन कोरोना के कारण रिलीज टल गई। फिल्म को 3डी में तमिल और तेलुगू जैसी कई भाषाओं में भी रिलीज किया जाना था। यह बड़े बजट की फिल्म है। इस फिल्म का लेखन और निर्देशन अनूप भंडारी ने किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में सुदीप एक शिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। अब फिल्म कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिन्दी में रिलीज होगी।

सुदीप की हालिया रिलीज हुई फिल्म कोटिगोब्बा 3 को प्रशंसकों और दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इससे पहले सुदीप को 2019 में सलमान खान की दबंग 3 में देखा गया था। यह फिल्म भी हिट साबित हुई थी।

यह फिल्म अभी पोस्ट प्रोडक्शन स्टेज में है। इस थ्रिलर फिल्म में निरुप, नीता अशोक, रविशंकर गौड़ा, मधुसूदन राव, वासुकी वैभव और जैकलीन जैसे दिग्गज कलाकार अपने अभिनय का जौहर दिखाएंगे। सुदीप ने मार्च, 2020 में हैदराबाद में इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। हालांकि, इस फिल्म का नाम पहले फैंटम था, जिसे निर्माताओं ने बदलकर विक्रांत रोणा करने का फैसला किया। अब देखना है कि पैन इंडिया लेवल पर बनी यह फिल्म कैसा प्रदर्शन करती है।

बैड जीनियस के हिंदी रीमेक से बॉलीवुड में कदम रखेंगी सलमान की भांजी अलीजेह?

सलमान खान की भांजी अलीजेह अग्निहोत्री ने बॉलीवुड में एंट्री अभी की नहीं है, लेकिन वह आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरों को लेकर चर्चा में रहती हैं। पिछले काफी समय से खबरें आ रही हैं कि अलीजेह एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाली हैं और उन्हें बॉलीवुड में लॉन्च करने की जिम्मेदारी उनके मामा सलमान ने ली है। अब अलीजेह की पहली फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लॉकबस्टर थाई फिल्म बैड जीनियस के हिंदी रीमेक से 21 साल की अलीजेह बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली हैं। सौमेंद्र पाधी, जिन्हें नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज जामताड़ारू सबका नंबर आएगा को निर्देशित करने के लिए जाना जाता है, वह इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। अगले महीने इसके प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू होगा और साल के अंत तक या 2023 की शुरुआत में फिल्म को रिलीज करने की योजना बनाई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान, अलीजेह पर पूरी नजर रख रहे हैं। कैमरे का सामना करने के लिए जिस तरह से अलीजेह ने खुद को तैयार किया है, वह देख सलमान उनसे बहुत प्रभावित हैं। उन्होंने अपनी ड्रामा और एक्टिंग की क्लासेज पूरी कर ली हैं और वह मुंबई फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले अपने किरदार की तैयारी के लिए वर्कशॉप में हिस्सा लेने वाली हैं। अलीजेह के अलावा फिल्म में कई नए युवा चेहरे अहम भूमिका में दिखेंगे।

बैड जीनियस 2017 में रिलीज हुई थी, जिसे दुनियाभर के दर्शकों का प्यार मिला था। यह साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली थाई फिल्म बनी थी। पहले नीरज पांडे इस फिल्म के हिंदी रीमेक को निर्देशित करने वाले थे, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी।

इससे पहले चर्चा थी कि अलीजेह सलमान के दोस्त और फिल्ममेकर सूरज बडज़ात्या की अगली फिल्म से डेब्यू करेंगी। इस फिल्म में सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर के साथ उनकी जोड़ी बनने वाली थी। फिर खबर आई कि अलीजेह इससे बाहर हो गई हैं। इसके बाद यह चर्चा थी कि सलमान अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले एक रोमांटिक फिल्म से अलीजेह को बॉलीवुड में ब्रेक दे रहे हैं। हालांकि, अब एक नई फिल्म उनका नाम जुड़ रहा है।

अलीजेह, सलमान खान की बहन अलवीरा और अभिनेता से निर्माता बने अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। वह तब सुर्खियों में आईं थीं, जब उन्होंने अपनी आंटी सीमा खान की कपड़ों के लिए लहंगे में रैंप वॉक किया था। अलीजेह हमेशा से ही एक अभिनेत्री बनने का सपना देखती आई हैं। उन्होंने बेहद कम उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। बॉलीवुड में आने के लिए अपनी तैयारी के रूप में उन्होंने कोरियोग्राफर सरोज खान से डांस की ट्रेनिंग ली थी।

एकता के शो नागिन 6 से छोटे पर्दे पर वापसी करने वाली हैं उर्वशी ढोलकिया?

एकता कपूर का सुपरनैचुरल शो नागिन 6 काफी समय से चर्चा में है। आए दिन इससे नई-नई अभिनेत्रियों के नाम जुड़ रहे हैं। नए सीजन को लेकर भी दर्शक बेकरार हैं। अब यह चर्चा जोरों पर है कि इस शो में छोटे पर्दे की चर्चित खलनायिका उर्फ कोमोलिका उर्फ उर्वशी ढोलकिया भी नजर आने वाली हैं। वह टीवी पर अपनी वापसी के लिए तैयार हैं। उर्वशी इस शो से जुड़कर बेहद उत्साहित हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, उर्वशी ढोलकिया नागिन 6 से टीवी पर अपना कमबैक करने के लिए तैयार हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि इसमें वह एक नए अवतार और मजेदार किरदार को निभाती नजर आएंगी। फिलहाल यह जानकारी नहीं मिली है कि उर्वशी नागिन 6 में नागिन बनेंगी या कोई जीव। उनके किरदार पर सस्पेंस बना हुआ है। अगर उर्वशी नागिन 6 में नजर आईं तो दर्शकों के लिए यह बेहद रोमांचक होगा।

आखिरी बार उर्वशी को धारावाहिक चंद्रकांता में देखा गया था। इसमें उन्होंने राजकुमारी इक्षवी सिंह की भूमिका निभाई थी। धारावाहिक का फाइनल एपिसोड 16 जून, 2018 को आया था। खास बात यह है कि इस शो की निर्माता भी एकता ही थीं और अब चार साल बाद उर्वशी एकता के ही शो से दर्शकों के बीच एक बार फिर अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। चंद्रकांता के लीड कलाकारों में मधुरिमा तुली और विशाल आदित्य सिंह भी शामिल थे। उर्वशी इससे पहले नच बलिए और बिग बॉस 6 में नजर आई थीं। वह बिग बॉस 6 की विनर रह चुकी हैं। उर्वशी की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। उनका निभाया गया कोमोलिका का किरदार आज भी दर्शकों के बीच अपनी छाप छोड़े हुए हैं।

बात करें नागिन 6 की तो उर्वशी से पहले कई नाम सामने आए हैं। माहिरा शर्मा, रुबीना दिलैक, महक चहल, रिद्धिमा पंडित जैसी कई टीवी अभिनेत्रियों का नाम इस शो से जुड़ चुका है। पिछले दिनों चर्चा थी कि शो में अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश को लाने की तैयारी चल रही है। हालांकि, अभी तक खुद निर्माताओं ने किसी के भी नाम पर अपनी मुहर नहीं लगाई है। दर्शक यह जानने को बेताब हैं कि इस सीजन की नागिन कौन होगी?

टीवी की दुनिया में नागिन एक अलग ही कहानी लेकर आया है। यह शो इतना लोकप्रिय हुआ कि इसके पांच सीजन आ चुके हैं। घर, गृहस्थी, कॉमेडी और लव स्टोरी के बाद एकता एक अलग ही कहानी सामने लेकर आईं और दर्शकों को उनका यह प्रयोग काफी अच्छा लगा। नागिन के पहले सीजन में मौनी रॉय ने अहम भूमिका निभाई थी। प्रेम, दुश्मनी और बदले की कहानी के साथ नागिन 5 ने भी दर्शकों को खूब लुभाया।

हीरा मंडी में रोमांटिक सीन फिल्माने के लिए इंटिमेसी डायरेक्टर की होगी एंट्री

एजेंसी

महान निर्देशक संजय लीला भंसाली अपने ड्रीम प्रोजेक्ट हीरा मंडी को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। इस वेब सीरीज की कास्टिंग की प्रक्रिया जोर-शोर से चल रही है। कहा जाता है कि भंसाली ने इस प्रोजेक्ट को सफल बनाने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया है। अब जानकारी सामने आ रही है कि इस सीरीज के रोमांटिक सीन को फिल्माने के लिए एक इंटिमेसी डायरेक्टर की एंट्री होने वाली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भंसाली हीरा मंडी में रोमांटिक सीन को शूट करने के लिए इंटिमेसी डायरेक्टर को प्रोजेक्ट में शामिल करेंगे।

सूत्र ने बताया, वेब सीरीज हीरा मंडी में काफी इंटिमेट सीन हैं। भंसाली और नेटफ्लिक्स ने लव-मेकिंग दृश्यों की शूटिंग के लिए एक विशेष महिला निर्देशक को प्रोजेक्ट में शामिल करने का फैसला किया है। इससे साफ जाहिर होता है कि सीरीज में बोल्डनेस का जबरदस्त तड़का लगाया जाएगा।

सूत्र की मानें तो कोरोना वायरस की महामारी के बाद कैमरे पर इंटिमेट सीन्स को शूट करना और भी कठिन हो गया है। इस तरह के हालातों में कोई भी कलाकार एक-दूसरे को छूने से परहेज करता है। सोशल डिस्टेंसिंग की स्थिति को देखते हुए अब परिस्थितियां बिल्कुल अलग हो गई हैं। ऐसे में इंटिमेसी डायरेक्टर की भूमिका और अधिक बढ़ जाती है। हालांकि, अभी यह नहीं बताया गया है कि किस इंटिमेसी डायरेक्टर को कास्ट किया जाएगा।

हाल में दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म गहराइयां का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसमें दीपिका ने सिद्धांत के साथ जमकर रोमांस का तड़का लगाया है। उनके बोल्ड सीन खूब सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में डर गई ने इंटिमेसी कोच की भूमिका निभाई है। इस फिल्म को रोमांटिक बनाने का श्रेय डर को जाता है। यह फिल्म 11 फरवरी को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

इंटिमेसी डायरेक्टर का मुख्य काम यह देखना होता है कि शूटिंग के दौरान कलाकार एक-दूसरे को फिजिकली कैसे टच करेंगे। उनके बीच सेक्सुअल या बोल्ड सीन को कैसे शूट किया जाए। इंटिमेट सीन के दौरान कलाकारों को सहज मसहूस कराने की जिम्मेदारी इंटिमेसी डायरेक्टर के कंधे पर होती है। कलाकारों के हिचकिचाहट को दूर करने में भी उनका योगदान होता है। कोई गलत तरीके से किसी को टच ना करें, इसकी देखरेख भी इंटिमेसी डायरेक्टर करते हैं।

इस सीरीज के पहले सीजन में सात एपिसोड होंगे। पहले एपिसोड का निर्देशन खुद भंसाली कर रहे हैं। सीरीज के बाकी बचे एपिसोड का निर्देशन विभु पुरी करेंगे। इस सीरीज में म्यूजिक की कमान इस्माइल दरबार संभाल रहे हैं। उन्होंने आखिरी बार भंसाली के साथ फिल्म देवदास में काम किया था। ऐसी चर्चा है कि इस सीरीज में 18 महिला कलाकारों की उपस्थिति होगी। गंगूबाई काठियावाड़ी का काम पूरा होने के बाद भंसाली इस प्रोजेक्ट में लग गए हैं।

हीरा मंडी में हुमा कुरैशी और सोनाक्षी सिन्हा सेक्स वर्कर की भूमिका में दिखेंगी। सोनाक्षी ने सीरीज के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। सीरीज में वह मुजरा करती हुई नजर आ सकती हैं। सीरीज भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान वेश्याओं और उनके अमीर ग्राहकों के जीवन के इर्दगिर्द घूमती है। कई पुरुष अभिनेता भी इसमें मुख्य भूमिकाओं में दिखेंगे। हाल में हीरा मंडी के पहले सीजन के लिए नेटफ्लिक्स ने 35 करोड़ रुपये चुकाए हैं।

ऋतिक और करीना को पर्दे पर फिर साथ लाने की तैयारी

एजेंसी

ऋतिक रोशन और करीना कपूर खान को आपने पर्दे पर कई बार देखा होगा। दोनों की जोड़ी फैंस को खूब सुहाती थी। हालांकि, पिछले काफी समय से करीना और ऋतिक पर्दे पर साथ नजर नहीं आए हैं। अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक इस जोड़ी के फैंस खुशी से झूम उठेंगे। दरअसल, सुनने में आ रहा है कि दोनों से एक बड़ी फिल्म के लिए संपर्क किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, करीना और ऋतिक से एक जाने-माने फिल्मकार ने अपनी फिल्म के लिए संपर्क किया है। फिल्म को प्रोडक्शन हाउस जंगली पिक्चर्स के बैनर तले बनाया जाएगा। फिल्म का नाम उलज बताया जा रहा है। निर्माता कुछ ही दिन में करीना को फिल्म की कहानी सुनाने वाले हैं। इसके बाद ही कुछ फाइनल होगा। अभी बातचीत शुरुआती स्तर पर है। ऋतिक से बात हो चुकी है, लेकिन उन्होंने अभी इसके लिए हामी नहीं भरी है।

ऋतिक और करीना को आखिरी बार 2003 में फिल्म मैं प्रेम की दीवानी हूं में देखा गया था। 2001 में रिलीज हुई फिल्म कभी खुशी कभी गम से उनकी जोड़ी हिट हुई थी। उसी साल उन्हें फिल्म यादें में देखा गया था। 2002 में करीना और ऋतिक फिल्म मुझसे दोस्ती करोगे के लिए साथ आए थे। 2009 में आई ऋतिक अभिनीत फिल्म लक बाय चांस में भी करीना नजर आई थीं, लेकिन इसमें वह मेहमान भूमिका में थीं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि करीना-ऋतिक की रजामंदी के बाद ही निर्माता फिल्म के बजट पर काम शुरू करेंगे। सूत्र के मुताबिक, यह एक बहुत बड़े बजट की फिल्म होने वाली है।इसकी शूटिंग मुंबई से बाहर होगी। अब अगर बात बन जाती है तो ऋतिक और करीना का साथ आना फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा, क्योंकि वे लंबे समय से इस हिट जोड़ी को किसी फिल्म में देखने का इंतजार कर रहे हैं।

ऋतिक निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की फिल्म फाइटर में नजर आने वाले हैं। वह वॉर के सीक्वल वॉर 2 में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। इसके अलावा उनके खाते से कृष 4 भी जुड़ी है। दूसरी तरफ करीना फिल्म लाल सिंह चड्ढा को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह आमिर खान के साथ नजर आएंगे। वह फिल्म तख्त में दिखाई देंगी। करीना निर्माता एकता कपूर के साथ मिलकर एक फिल्म के प्रोडक्शन का काम भी संभाल रही हैं। करीना, ऋतिक के साथ फिल्म कहो ना प्यार है से बॉलीवुड में कदम रखने वाली थीं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी थी, लेकिन अपनी मां बबीता की जिद पर उन्हें फिल्म छोडऩी पड़ी। लिहाजा रिप्यूजी से करीना ने बॉलीवुड में एंट्री की।

प्रत्याशी धार्मिक स्थलों का प्रयोग निर्वाचन प्रचार-प्रसार के लिये मंच के रूप में नहीं करेगा

संवाददाता

बहराइच । निर्वाचन सम्बन्धी प्रचार–प्रसार के सम्बन्ध में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से व्यवस्था दी गयी है कि निर्वाचन के प्रचार–प्रसार के दौरान कोई भी दल या उम्मीदवार धार्मिक स्थानों यथा मन्दिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरूद्वारा या अन्य पूजा स्थलों जैसे धार्मिक स्थलों का प्रयोग निर्वाचन प्रचार–प्रसार के लिये मंच के रूप में नहीं करेगा। अग्रतर यह कि मत प्राप्त करने के लिये जाति या साम्प्रदायिक भावनाओं की अपील भी नहीं की जायेगी।

आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार कोई भी दल या उम्मीदवार ऐसे किसी क्रियाकलाप में संलिप्त नहीं होगा जिससे विद्यमान मनमुटाव में वृद्धि होने की संभावना हो या पारस्परिक धृणा उत्पन्न होने की संभावना हो या विभिन्न जातियों और सम्प्रदायों के मध्य धार्मिक या भाषायी तनाव उत्पन्न होने की संभावना हो। अग्रतर यह कि जब भी अन्य राजनैतिक दलों की आलोचना की जाय तब उनकी आलोचना, उनकी नीतियों और कार्यक्रमों के पूर्व कारनामों और कार्यो तक सीमित रहनी चाहिए। राजनैतिक दलों और उम्मीदवारों को निजी जीवन के ऐसे समस्त पहलुओं पर आलोचना करने से बचना होगा जो अन्य दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के सार्वजनिक क्रियाकलापों से सम्बन्धित न हों। अपुष्ट आरोपों या तोड़–मरोड़ वाले बयानों पर आधारित अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना किये जाने से बचना होगा।

चुनाव प्रचार के प्रयोजनों के लिए वाहनों के संचालन के सम्बन्ध में आयोग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उम्मीदवार किसी भी संख्या में वाहनों (दो पहिया वाहन सहित समस्त मैकानाइज़्ड/मोटोराइज़्ड वाहन) का संचालन, निर्वाचन के प्रचार–प्रसार के लिये करा सकते हैं किन्तु उन्हें ऐसे वाहनों के संचालन के लिये रिटर्निंग आफिसर का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा और उन्हें रिटर्निंग आफिसर द्वारा मूल रूप में (न कि फोटो प्रतिलिपि में) जारी किये गये परमिट को वाहन के वातरोधी शीशे पर प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। उक्त परमिट पर उस उम्मीदवार की वाहन संख्या और उसका नाम अंकित करना होगा जिसके पक्ष में परमिट जारी किया गया हो।

आयोग की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी उम्मीदवार के नाम से निर्वाचन प्रचार–प्रसार के लिये अनुमति प्राप्त किये गये वाहन का प्रयोग, किसी दूसरे उम्मीदवार द्वारा निर्वाचन के प्रचार–प्रसार के लिये किये जाने पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा–171 ज के अधीन कार्यवाही की जायेगी।

यदि कोई उम्मीदवार जिला निर्वाचन अधिकारी/रिटर्निंग आफिसर से अनुमति प्राप्त किये बिना निर्वाचन प्रचार–प्रसार के लिए वाहनों का प्रयोग करता है तो ऐसे वाहनों को अनाधिकृत मान लिया जायेगा और उसके विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता के अध्याय नौ क के दाण्डिक उपबंधों के अधीन कार्यवाही की जा सकती है।

ऐसे वाहन को निर्वाचन प्रचार–प्रसार की परिधि से तत्काल बाहर कर दिया जायेगा

तथा उसका उपयोग अग्रतर प्रचार–प्रसार के लिये नहीं किया जायेगा।

व्यय अनुवीक्षण टीमों के साथ व्यय प्रेक्षकों ने की वर्चुअल बैठक

संवाददाता

बहराइच। विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद में अवस्थित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 282–बलहा (अ.जा), 283–नानपारा तथा 284–मटेरा के लिए श्रीमती पनवीर सैनी तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों 285 महसी, 286–बहराइच, 287– पयागपुर तथा 288–कैसरगंज के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक नीरज चौबे ने सहायक व्यय प्रेक्षक, पलाइंग स्क्वायड, स्टेटिक सर्विलांस टीम, वीडियो निगरानी टीम, वीडियो अवलोकन टीम, लेखा टीम, मीडिया सर्टीफिकेशन एवं मॉनीटरिंग कमेटी के साथ आयोजित वर्चुअल बैठक के दौरान प्रभारी (नोडल) अधिकारी निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण सेल/वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति को निर्देश दिया कि सभी टीमों से समन्वय करते हुए सक्रिय रखा जाय। प्रेक्षक द्वय द्वारा टीमों के सदस्यों को निर्देश दिये गये कि व्यय अनुवीक्षण के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा–निर्देशों के अनुसार निष्पक्ष एवं तटस्थ रहते हुए पूरी सक्रियता के साथ अपने कर्तव्यों का टीम भावना के साथ निर्वहन करते हुए जनपद में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रकिया सम्पन्न कराये।

प्रेक्षक द्वय ने व्यय अनुवीक्षण में सहायक व्यय प्रेक्षकों को निर्देश दिया कि प्रत्याशियों से भी सम्पर्क कर उन्हें व्यय लेखा के सम्बन्ध में निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों की जानकारी समय–समय पर प्रदान करते रहे। प्रेक्षक द्वय द्वारा टीमवार सदस्यों से परिचय प्राप्त करते हुए टीमों द्वारा संचालित की जा रही गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिये।

बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी, प्रभारी (नोडल) अधिकारी निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण सेल/वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में व्यय अनुवीक्षण टीमों द्वारा की जा रही गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी।

स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र बहराइच/श्रावस्ती में 20 स्थानों पर डाले जायेंगे वोट

संवाददाता

बहराइच । 13–बहराइच स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र बहराइच/श्रावस्ती के सामान्य निर्वाचन 2022 के लिए प्रस्तावित 20 मतदेय स्थलों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। जनपदवार मतदेय स्थलों की बात की जाय तो बहराइच के 15 मतदेय तथा श्रावस्ती के 05 मतदेय स्थलों पर मतदाता वोट डाल सकेंगे।

सूचना

मेरा हाई स्कूल अनुक्रमांक नं 2100 385 वर्ष 2006 वास्तव में कहीं खो गया है।

रघुनाथ पासवान
पुत्र पीताम्बर प्रसाद
ग्राम भरमी पोस्ट बघेली
जिला सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com